मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 296
मंगलवार, 20 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जो दुनिया भर के शरणार्थियों को जगह दे सकेः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 19 मई। सुप्रीम कोर्ट को कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है जो दुनिया भर के शरणार्थियों को जगह दे सके, जबकि वह पहले से ही 140 करोड़ लोगों की आबादी का भरण-पोषण करने के लिए संघर्ष कर रहा है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी एक श्रीलंकाई नागरिक की याचिका को खारिज करते हुए की, जिसमें उसके निर्वासन पर रोक लगाने की मांग की गई थी। लाइव लॉ के अनुसार, वह हाल ही में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत कारावास की सजा काट चुका है। याचिकाकर्ता को 2015 में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के साथ कथित संबंधों के लिए गिरफ़्तार किया गया था। यह एक ऐसा समूह है जिसने देश के भाषाई तमिल अल्पसंख्यकों के लिए एक अलग देश की स्थापना के लिए दशकों तक चले गृहयुद्ध में श्रीलंका सरकार से लड़ाई लड़ी थी। LTTE को भारत सरकार ने आतंकवादी संगठन घोषित किया है। 2018 में ट्रायल कोर्ट ने यूएपीए के तहत इस व्यक्ति को दोषी ठहराया था। मद्रास उच्च न्यायालय ने उसकी जेल की अवधि दस साल से घटाकर सात साल कर दी और उसे जेल की अवधि पूरी होते ही देश छोड़ने को

कहा। तीन साल से शरणार्थी शिविर में बंद इस व्यक्ति ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया और दावा किया कि अगर वह श्रीलंका लौटता है तो उसकी जान को खतरा है। उसने कहा कि वह उचित वीजा पर भारत आया था, उसने बताया कि उसकी पत्नी और बच्चे अब भारत में बस गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि याचिकाकर्ता ने अपने निर्वासन की प्रक्रिया में कथित देरी का भी हवाला दिया और शीर्ष अदालत से इस पर रोक लगाने की मांग की। उनकी याचिका पर जवाब देते हुए न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा, क्या भारत को दुनिया भर से शरणार्थियों की मेजबानी करनी है? हम 140 करोड़ लोगों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। यह कोई धर्मशाला नहीं है कि हम हर जगह से विदेशी नागरिकों का स्वागत कर सकें। सर्वोच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता के भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत मौलिक अधिकारों के दावे को भी खारिज कर दिया और कहा कि उसे कानून के अनुसार हिरासत में लिया गया था। पीठ ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 19 (भाषण, अभिव्यक्ति और आवागमन की स्वतंत्रता सहित) केवल भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध है।

दिल्ली मेयर के खिलाफ आप पार्षदों का प्रदर्शन, कार्यालय के बाहर दिया धरना

नई दिल्ली, 19 मई। आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षदों ने सोमवार को दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह के कार्यालय के बाहर धरना दिया और सदन के एजेंडे से यूजर चार्ज वापस लेने के प्रस्ताव को हटा दिए जाने का विरोध किया। पिछले महीने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनावों के बाद, जब भाजपा सत्ता में आई और उसने अपना मेयर नियुक्त किया, तो पार्टी ने 25 अप्रैल को यूजर चार्ज वापस लेने का वादा किया। आप पार्षदों ने आरोप लगाया कि दिल्ली निवासियों के हित में यूजर चार्ज वापस लेने का प्रस्ताव भाजपा मेयर द्वारा इस महीने के सदन के सत्र के एजेंडे में शामिल नहीं किया गया।

एमसीडी में विपक्ष के नेता अंकुश नारंग ने विरोध प्रदर्शन का

नेतृत्व किया। एक बयान के अनुसार, पार्षद हाथों में तख्तियां लेकर मेयर के कार्यालय के बाहर बैठे और नारे लगाए। दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि यूजर चार्ज का विरोध करने वालों से पूछा जाना चाहिए कि अगर उन्होंने ही यूजर चार्ज लागू किया है तो वे किसके खिलाफ विरोध कर रहे हैं? अब जब दिल्ली की जनता ने उन्हें नकार दिया है तो वे फिर से विरोध पर उतर आए हैं। वे सब झूठे हैं। हम दिल्ली की जनता पर किसी भी तरह का टैक्स नहीं लगाएंगे।

वहीं, नारंग ने कहा कि शुरू से ही भाजपा का दिल्ली के लोगों के लिए काम करने का कोई इरादा नहीं रहा है। वे सिर्फ. झूठे वादे करते हैं और असली काम से बचते हैं। हमने यूजर चार्ज हटाने का प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन भाजपा जानबूझकर इसे टाल रही है।

प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान ही सरकार का ध्येय: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 18 मई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में आए फरियादियों को भरोसा देते हुए कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान ही सरकार का ध्येय है।

सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जनता दर्शन में 60 से अधिक फरियादी आए। मुख्यमंत्री ने एक-एक करके सभी से मुलाकात की, फिर कुशलक्षेम पूछा। उन्होंने हर पीड़ित की शिकायत सुनी और अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। सोमवार को सर्वाधिक शिकायतें प्रयागराज से आईं। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान ही सरकार का ध्येय है।

सरकार हर जरूरतमंदों की जरूरत पर उनके साथ है। जनता दरबार में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क निर्माण समेत कई मामले आए।

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को शिकायतों का प्रार्थना पत्र सौंपते हुए समय से निस्तारण के निर्देश दिए। प्रयागराज से कई शिकायतें आईं, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुना और कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

पुलिस से संबंधित शिकायत, खेत की पैमाइश, आवास, चकरोड (खेतों के बीच बनी राह), खेतों में कब्जा, बिजली कनेक्शन समेत अन्य फरियाद लेकर पीड़ित पहुंचे, जिसके समाधान का मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया। जनता दर्शन में कई पीड़ित परिवार के साथ आए थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बच्चों को दुलारा, उनकी शिक्षा के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट भी दी। मुख्यमंत्री योगी ने बच्चों को खूब पढ़ने और उज्ज्वल भविष्य का भी आशीर्वाद दिया।

जब्त किए गए वाहन मुंबई जैसे शहर में सार्वजनिक स्थानों पर नहीं रखे जा सकतेः उच्च न्यायालय

मुंबई, 19 मई। बंबई उच्च न्यायालय ने कहा है कि जगह की कमी से जूझ रही मुंबई में सड़कें अब लावारिस वाहनों के लिए कब्रिस्तान नहीं बन सकतीं। इसी के साथ, उच्च न्यायालय ने सभी थानों को स्पष्ट आदेश दिया कि वे ऐसे वाहनों के निपटान के लिए यातायात पुलिस के निदेर्शों का सख्ती से पालन करें।

न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने कहा कि ऐसे वाहनों को केवल डंपिंग यार्ड में डाल देना पर्याप्त नहीं होगा तथा इनके निपटान के लिए निरंतर कार्रवाई की जानी चाहिए। यह आदेश आठ मई को जारी किया गया।

पीठ ने कहा, मुंबई जैसे शहर में, जहां सार्वजनिक सड़कों और फुटपाथों पर जगह की भारी कमी

है एवं स्थान सीमित है, ऐसे सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस द्वारा जब्त किए गए वाहनों को रखकर अतिक्रमण नहीं किया जा सकता।

अदालत मैराथन मैक्सिमा को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता ने हाउसिंग सोसाइटी के गेट के बाहर निकटवर्ती थाने द्वारा जब्त किए गए वाहनों को रखे जाने से बाधा उत्पन्न होने के बारे में चिंता थी।

यातायात विभाग के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने एक हलफनामे में कहा कि पिछले महीने शहर भर के सभी थानों को एक पत्र जारी किया गया था, जिसमें सलाह दी गई थी कि जब्त किए गए या लावारिस हालत में छोड़ दिए गए सभी वाहनों को डंपिंग यार्ड में ले जाया जाए।

पीठ ने राज्य सरकार से कहा कि वह ऐसे वाहनों को रखने के लिए प्रत्येक नगर निगम वार्ड में सुविधाजनक स्थानों की पहचान करे। अदालत ने कहा, केवल वाहनों को डंपिंग स्थल पर डाल देना पर्याप्त नहीं होगा। यदि इन वाहनों की आवश्यकता नहीं रह जाती है, तो इन वाहनों के निपटान के लिए निरंतर कार्रवाई की आवश्यकता है, जिसके लिए उचित सलाह जारी करने की आवश्यकता है।

पीठ ने मामले की अगली सुनवाई दो जुलाई के लिए निर्धारित करते हुए यातायात विभाग से कहा कि याचिका में जो मुद्दे उठाये गये हैं, उनके दीर्घकालिक समाधान के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में वह अदालत को बताए।

दिल्ली में बीजेपी ने निकाली तिरंगा यात्रा

नई दिल्ली, 19 मई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भाजपा नेता स्मृति ईरानी और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन के साथ ऑपरेशन सिंदूर के लिए सशस्त्र बलों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि आज हम सब यहां एकत्र हुए हैं। देश की सभी महिलाएं भारतीय सशस्त्र बलों के सामने नतमस्तक हैं। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जिस तरह उन्होंने करोड़ों महिलाओं के सम्मान की रक्षा की, सीमाओं की रक्षा की और आतंकवादी शिविरों को नष्ट किया - मैं उनका तहे दिल से आभार व्यक्त करती हूं।

सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी, भारतीय सशस्त्र बलों और भारत सरकार ने देश के 140 करोड़ लोगों के सम्मान के हित में सशक्त फैसले लिए। पीएम ने

सशस्त्र बलों को आदेश दिया कि वे जाकर (पाकिस्तान में) हर आतंकवादी शिविर को नष्ट करें, पाकिस्तान को करारा जवाब मिला। (भारत के) 140 करोड़ लोग एकजुट हैं। ये महिलाएं सशस्त्र बलों और भारत सरकार के साथ खड़ी हैं। यही संदेश देने के लिए महिलाओं द्वारा यह तिरंगा यात्रा, सिंदूर यात्रा निकाली गई है।

स्मृति ईरानी ने कहा कि ऑपरेशनसिंदूर हमारे देश का एक प्रतीक है, एक संकल्प है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ. हमारे सशस्त्र बलों का मिशन नहीं है, बल्कि आतंकवादियों को एक संदेश है - कि जब भी वे देश की महिलाओं पर बुरी नजर डालेंगे, पूरा देश, भारत सरकार और भारतीय सशस्त्र बल महिलाओं की रक्षा करते हुए मिलेंगे। हम देश की उन सभी महिलाओं के सामने नतमस्तक हैं जिनके बेटे और पति हमारी मातृभूमि की रक्षा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा 'सिंदूर' सुरक्षित है क्योंकि वे सीमा पर हैं। हम ऐसी महिलाओं और भारतीय सशस्त्र बलों के सामने नतमस्तक हैं। हम प्रधानमंत्री का भी आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने संकल्प लिया कि वे देश को झुकने या टूटने नहीं देंगे। भारतीय सशस्त्र बलों के साथ मिलकर देश ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। प्रधानमंत्री, सरकार और सशस्त्र बलों ने यह संदेश दिया है कि जब तक एक-एक आतंकवादी शिविर नष्ट नहीं हो जाता, ऑपरेशन सिंदूर जारी रहेगा।

बीजेपी और जेडीयू को बिहार और बिहारियों से कोई लेना-देना नहीं: तेजस्वी यादव

पटना, 19 मई। तेजस्वी यादव ने कहा कि बीजेपी और जेडीयू को बिहार और बिहारियों से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई, सुनवाई, शिक्षा, स्वास्थ्य से कोई मतलब नहीं है। वे केवल टीवी पर दिन-रात लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को गाली देना जानते हैं। बिहार सरकार में हमारे खिलाफ बयान देने की होड़ चल रही है। हालांकि, रविवार को उन्होंने अपनी पार्टी का विलय राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर द्वारा स्थापित जन सुराज में कर दिया।

इस नए गठबंधन पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी ने नाम तो नहीं लिया, लेकिन इस बात के पुख्ता संकेत दिए कि भाजपा पर्दे के पीछे से इस घटनाक्रम की योजना बना रही हो सकती है।

तेजस्वी ने पटना में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा, दोनों ही जेडी(यू) में थे, एक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, दूसरा राष्ट्रीय अध्यक्ष। यह सब कौन करवा रहा है और कैसे हो रहा है, बिहार की जनता सब जानती है। तेजस्वी ने कहा, अगर जेडी(यू) के दो बागी एक साथ आ गए हैं, तो सबको समझ में आ गया है कि यह किसका खेल है। हमें ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है। जनता सब देख रही है।

किशोर और सिंह ने आरोप लगाया कि ठेकेदारों ने जेडी(यू) को अपहृत कर लिया है। किशोर ने जेडी(यू) कार्यकताओं से डूबते जहाज को छोड़ने का आह्वान किया और दावा किया कि इसे अनुभवी राजनेताओं के बजाय पांच ठेकेदारों द्वारा चलाया जा रहा है।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक ने आरोप लगाया कि जेडी(यू) और राज्य सरकार में महत्वपूर्ण निर्णय ऐसे ठेकेदारों द्वारा लिए जाते हैं जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

अरूणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवीं मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

भारत का पक्ष रखने की सराहनीय पहल एवं बेतुका विवाद

-ललित गर्ग

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना एवं उसके बाद भारत के सिंदूर ऑपरेशन में पाकिस्तान को करारी मात देने की घटना से निश्चित ही भारत की ताकत को दुनिया ने देखा। लेकिन इसके बाद पाक दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर भी पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण है विडम्बनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है।

पहलगाम हमले के बाद यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान का बचाव करने वाले या उसके साथ मुखरता से खड़े होने वाले देशों या विश्व संगठनों के साथ-साथ भारतीय राजनीतिक दलों में विवाद का बढ़ना चिन्ताजनक है।। भारत के राजनीतिक दल प्रारंभ में एकजुट दिखें लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब उनमें कहीं-कहीं वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं। पाकिस्तान दोषी होने के बावजूद पीड़ित होने का स्वांग रचकर सहानुभूति जुटाता रहा है। दुनिया के अनेक देश उसके झांसे में आ भी जाते हैं। ऐसे में, दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में भारत का पक्ष रखने का मोदी सरकार का यह प्रयास बहुत जरूरी एवं दूरगामी सोच से जुड़ा है। इस प्रयास को एक बड़े अभियान के रूप में लेना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता और ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए।

शशि थरूर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था, इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता। मगर वर्तमान संवेदनशील हालातों में इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा एवं अनुचित है। इससे एक अच्छा एवं प्रासंगिक मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। भले ही शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।

युद्ध एवं आतंक जैसे हालातों में भारत ने अपना पक्ष रखने के लिए पहले भी समय-समय पर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को आगे किया है और उसी परिपाटी को मोदी सरकार ने आगे बढ़ाकर देश की राजनीति व राजनय को मजबूती दी है। सात सदस्यीय बैजयंत जय पांडा, रविशंकर प्रसाद, शशि थरूर, संजय झा, श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी करुणानिधि और सुप्रिया सुले के नेतृत्व में हमारे देश के नेता 32 देशों का दौरा करेंगे। यह विपक्ष के नेताओं के लिए भी स्वर्णिम अवसर है कि वह अपनी काबिलियत एवं देशहित को देश के सामने साबित करें। क्योंकि राष्ट्र एवं राष्ट्रीय एकता सबसे ऊपर है। बांटने वाली राजनीति से अलग जब हम देशहित के पक्ष में खड़े होंगे, तभी आतंकवाद से लड़ने में सहूलियत एवं सफलता मिलेगी। क्या दुनिया ने भारत के सीमित सैन्य अभियान के महत्व, संयम और समझदारी को ठीक से समझा है? क्या भारत आतंकवाद के खिलाफ संपूर्ण युद्ध नहीं छेड़ सकता था? अगर भारत ने युद्ध को नहीं बढ़ाया, तो इसका अर्थ कतई यह नहीं कि भारत का पक्ष कमजोर है। भारत चाहता तो पाक को हर मोर्चे पर नेस्तनाबूद कर सकता है, लेकिन भारत का लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना है।

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में बसे 9 आतंकी ठिकानों को रात के अंधेरे में तबाह कर दिया। इसके बाद भारत ने ठान लिया कि पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद परस्त पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब करना है, जिसकी जिम्मेदारी अनुभवी एवं विशेषज्ञ सात सांसदों को सौंप कर सरकार ने सूझबूझ एवं परिपक्व नेतृत्व का परिचय दिया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में 6-7 सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। भारत की शांति, अहिंसा, विकास एवं विश्व बंधुत्व का संदेश सात प्रतिनिधिमंडलों के जरिये दुनिया तक पहुंचना इसलिए भी जरूरी है कि भारत को तेज विकास करना है और अब वह पहलगाम जैसे किसी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं कर सकता। गौर करने की बात है कि सात प्रतिनिधिमंडलों में 59 सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 31 नेता और अन्य दलों के 20 नेता शामिल हैं। इस तरह सर्वदलीय सांसदों की टीमों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मिशन पर भेजने से भारत का पक्ष मजबूत होगा, दुनिया में आतंक के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण बनेगा। ये दौरे न सिर्फ आतंकवाद पर भारत की नीतियों को साफ करेंगे, बल्कि पाक की हरकतों को भी दुनिया के सामने बेनकाब करेंगे।

सात प्रतिनिधिमंडल में जिन नेताओं को नेतृत्व दिया गया है, उसमें भी अन्य दलों को प्राथमिकता देकर एक संतुलन एवं सूझबूझ का परिचय दिया गया है। आइडिया ऑफ इंडिया के साथ सुगठित इस टीम इंडिया के कंधे पर बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दुनिया के निर्णायक नेताओं से मिलकर यह बताना जरूरी है कि आइडिया ऑफ पाकिस्तान और आइडिया ऑफ इंडिया के बीच कितनी चौड़ी खाई है, यह खाई संबंधित देशों ही नहीं, दुनिया को प्रभावित करने वाली है। दूसरे शब्दों में कहें, तो पाकिस्तान आतंकवादी मानसिकता से ग्रस्त है एवं आतंक को पोषित एवं पल्लवित करने वाला देश है। उसके आतंकवाद ने भारत को ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों को भी नुकसान पहुंचाया है। एक देश, जो आतंक की बुनियाद पर खड़ा है, न उसे शर्म है, न पछतावा। वहां ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों व उनके परिजन को जैसा राजकीय सम्मान दिया गया है, जैसे पाक फौज आतंकी सरगनाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी देखी गई है, उस तरफ से मुंह मोड़कर अगर दुनिया खड़ी होगी, तो यकीन मानिए, फिर इंसानियत का खून होगा और आतंकवाद को बल मिलेगा।

ऑपरेशन सिन्दूर भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा बना है। भारत अब पहले की तरह केवल कूटनीतिक जवाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश भी देना जानता है। पाक सेना आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करती है, लेकिन उसकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाक के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। जब तक पाक सेना अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती तब तक इस तरह के आतंकी तनाव बार-बार सामने आएंगे। पाक भविष्य में फिर से भारत के खिलाफ आतंकी हमले कर सकता है क्योंकि यह उसकी रणनीति का हिस्सा है। पाक सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियों और भारत की आक्रामक जवाबी रणनीति इस क्षेत्र में स्थायी शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है बल्कि इसमें पूरी दुनिया से जुड़े गहरे ऐतिहासिक, वैचारिक और रणनीतिक आयाम हैं। इसलिये दुनिया के बड़े राष्ट्र पाक की आतंकी सोच से परिचित हों, इसी सोच से दुनिया को परिचित कराना सात सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल का मिशन है।

बलूचिस्तान के बाद अब पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भी आजादी की मांग जोर पकड़ने लगी है

अशोक भाटिया

बलूचिस्तान के बाद अब पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भी आजादी की मांग जोर पकड़ने लगी है। सिंध को अलग देश बनाने की मांग करने वाली एक राजनीतिक समूह जय सिंध फ्रीडम मूवमेंड (JSFM) ने शुक्रवार को पाकिस्तान में एक राजमार्ग पर शांतिपूर्ण धरना दिया। इस दौरान लापता और जेल में बंद सिंधी राष्ट्रवादियों की रिहाई की मांग की गई। सिंधु देश की वकालत करने वाले समूह ने सिंध और बलूचिस्तान में जबरन गायब किए गए लोगों, अवैध हिरासत और मानवाधिकारों के हनन पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने की मांग की।

जेएसएफएम के अध्यक्ष सोहेल अब्रो, जुबैर और अमर आजादी समेत नेताओं ने जाहिद चन्ना, सज्जाद चन्ना, अदनान बलूच और शाहिद सूमरो को तत्काल रिहा करने को कहा। यह भी मांग की गई कि उनके खिलाफ झूठे आरोप वापस लिए जाएं और सभी जबरन गिरफ्तार किए गए लोगों को रिहा किया जाए। सामूहिक बयान में कहा गया, यह धरना हमारे राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं की गैरकानूनी गिरफ्तारियों, जेलों में हो रहे दुर्व्यवहार और जबरन गायब किए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन है। हाल के प्रदर्शन में सिन्धु राष्ट्र के लिए तैयार किए गये राष्ट्रगान को भी गाया गया व सिंध देश के अलग झंडे को भी फहराया गया. 'सिंधु देश' जिसका शाब्दिक अर्थ होता है सिंधियों के लिए अलग देश. सिंधु देश एक विचार है जो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बसे और दुनिया भर में फैले सिंधियों का एक सपना है. ये सिंधी दुनिया दूसरे एथनिक समुदायों की तरह अपने लिए एक अलग होमलैंड की मांग करते आ रहे हैं. जैसे कुर्द अपने लिए अलग देश की मांग करते हैं, यहूदी समुदाय के लोगों ने इजरायल नाम का अपना देश बनाया है, उसी तरह सिंधी पाकिस्तान के अंदर एक निश्चित भूभाग में अपने लिए एक स्वतंत्र और सार्वभौम मातृभूमि चाहते हैं.

यदि पाकिस्तान के इतिहास को देखे तो भारत से अलग होकर 19 47 में बने पाकिस्तान के लिए समस्याएं कभी खत्म होने का नाम नहीं लेती हैं । दुनियाभर के कर्ज में डूबे व आतंकवाद के कारण भारत से ऑपरेशन सिन्दूर से मर खा रहे पाकिस्तान में अगर आपको आने वाले कुछ वर्षों में गृहयुद्ध की स्थिति बनती दिखाई दे, तो चौंकने वाली बात नहीं होगी। उर्दू को पाकिस्तान की सरकारी भाषा बनाने की घोषणा के साथ ही पाकिस्तान में अलगाववाद के बीज पनपने लगे थे। लोगों पर जबरदस्ती उर्दू भाषा थोपी गई। बांग्लाभाषी बहुल पूर्वी पाकिस्तान इसी फैसले के चलते अब अलग देश बनकर बांग्लादेश के रूप में आपके सामने है । वहीं, पाकिस्तान में अगस्त, 1947 के बाद से अब तक बनी सभी सरकारों ने मानवाधिकारों को एक अलग खूंटी पर टांग दिया। बात पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की हो या बलूचिस्तान या फिर सिंधु प्रांत की। पाकिस्तानी सरकारों ने इन सभी जगहों से उठने वाली आवाजों का वर्षों से दमन किया है ।पाकिस्तानी फौज के बलूचिस्तान में किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाली एक्टिविस्ट करीमा बलोच की कनाडा में हुई हत्या इसका एक ताजा उदाहरण है।

फिलहाल पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सबसे ज्यादा हिंदू आबादी रहती है। पाकिस्तान की कुल हिंदू आबादी का करीब 95 फीसदी सिंध प्रांत में हैं। पाकिस्तान के उत्पीड़न से त्रस्त इन लोगों ने अब वैश्विक नेताओं से गुहार लगाई है. वहीं, प्रदर्शनकारियों के हाथ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर होने के पीछे एक बड़ी वजह है। कश्मीर की स्थिति को लेकर हुई एक सर्वदलीय बैठक में मोदी ने कहा था कि समय आ गया है, अब पाकिस्तान को विश्व के सामने बलूचिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लोगों पर हो रहे अत्याचारों का जवाब देना होगा। मोदी के इस बयान के चलते बलोच आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मीडिया में काफी तवज्जो मिली थी। इसके बाद 2016 में भारत के 70वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बलूचिस्तान, गिलगित और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों का आभार व्यक्त किया था। दरअसल, पीएम मोदी के बयान के बाद पाकिस्तान में जुल्मो-सितम झेल रहे इन हिस्सों के लोगों ने उनकी आवाज उठाने के लिए मोदी को सोशल मीडिया पर धन्यवाद दिया था। हाल ही में पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जमसोरो जिले में जीएम सैयद के गृहनगर सान कस्बे में हुई रैली में लोगों ने आजादी के लिए नारे लगाए गए. प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान दावा सीधे तौर पर कहा- सिंध, सिंधु घाटी सभ्यता और वैदिक धर्म का घर है. ब्रिटिश साम्राज्य ने इस पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था और 1947 में पाकिस्तान के इस्लामी हाथों में दे दिया था। अलग सिंधुदेश की मांग को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर उठाया जा रहा है। इन लोगों का मानना है कि पाकिस्तान ने सिंध प्रांत पर जबरन कब्जा कर रखा है। साथ ही पाकिस्तान संसाधनों का दोहन और मानवाधिकारों के जमकर उल्लंघन करता है। जिये सिंध मुत्ताहिदा महाज के चेयरमैन मुहम्मद बरफात ने कहा कि हमारी संस्कृति और इतिहास पर हुए दशकों से जारी हमलों के बावजूद हमने अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को बचाकर रखा है। हम आज भी बहुलतावादी, सहिष्णु और सौहार्दपूर्ण समाज हैं, जो मानव सभ्यता को बचाकर रखे हुए है।

पाकिस्तान के निर्माण के बाद से ही बलूचिस्तान, गिलगित और पाक अधिकृत कश्मीर में असंतोष बढ़ने लगा था। पाकिस्तानी हुकूमत पर पंजाबी वर्ग के वर्चस्व से लेकर मानवाधिकारों के उल्लंघन तक पाक के नापाक इरादों की एक लंबी दास्तान है। इन सबके बीच अब चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के चलते भी पाक में भारी असंतोष फैल रहा है। पाकिस्तान के इन हिस्सों की आवाम अब खुलकर अपना विरोध दर्शा रही है। बीते कुछ वर्षों में भारत की वर्तमान मोदी सरकार पर इन लोगों का भरोसा बढ़ा है। ऐसे में अलगाववादी रैली में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर नजर आने से पाकिस्तान की पेशानी पर फिर से बल पड़ सकते हैं। अब देखना यह है कि अलग सिंध देश की मांग से क्या पाकिस्तान के टुकडे होंगे ? होंगे तो कितने होंगे ? सिंध देश यदि अलग बन जाता है तो वहां रहने वाले सिन्धी हिन्दुओं को इसका कितना लाभ मिल सकेगा ?

सिन्धु देश की मांग के आलावा साल 1947 में पाकिस्तान के बनने के साथ ही बलूच मुद्दे ने भी उसकी नाक में दम कर रखा है। आएदिन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की खबरें आती हैं कि उसने अपने यहां कोई धमाका कर दिया, जिसमें पाकिस्तान सरकार या चीन के लोग मारे गए। इसके अलावा भी कई चरमपंथी संगठन हैं, जो बलूच आजादी चाहते हैं ।दरअसल ये पाकिस्तान का वो हिस्सा है, जो कभी भी सरकार के बस में नहीं रहा। इसकी दो वजहें हैं- एक, पाकिस्तान ने धोखे से उसे अपने साथ मिला लिया। और दूसरा, बलूचिस्तान मानता है कि पाकिस्तान उसके साथ सौतेला व्यवहार करता रहा।

पाकिस्तान अधिकृत बलूचिस्तान की लीडर डॉ नायला कादरी हाल ही में हरिद्वार पहुंची। बलूच आजादी की मांग के चलते अपने ही देश से निर्वासित डॉ कादरी ने खुद को बलूचिस्तान की प्रधानमंत्री की तरह पेश करते हुए मां गंगा से अपने देश की आजादी की मांग की। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे पाकिस्तान की सरकार बलूच लोगों पर जुल्म करती है। उनका कहना है कि गैस, कोयला, तांबा और कोयला जैसे कच्चे माल में बेहद संपन्न होने के बाद भी हमारा इलाका काफी गरीब है। यहां तक कि स्कूल और अस्पताल जैसी बेसिक जरूरतें भी वहां पूरी नहीं हो पा रहीं। पाकिस्तान ने अपने कर्ज चुकाने के लिए यहां की खदानों को चीन को लीज पर दे दिया। ये बलूच लोगों पर दोहरी मार थी। वे मानने लगे कि उन्हें पाकिस्तान और चीन दोनों मिलकल लूट रहे हैं।

उनके गुस्से को हवा मिली, जब साल 2006 में मौजूदा सरकार उनके कबीलाई सिस्टम को ध्वस्त करने लगी। इसके बाद से बलूच आजादी की मांग हिंसक होने लगी। अब बागी अपने यहां रहते चीनियों को नुकसान पहुंचाकर पाकिस्तान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। कई बार चीनियों के ठिकानों पर वे हमला करते रहते हैं। इसके आलावा गिलगित-बाल्टिस्तान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) का सबसे उत्तरी इलाका है। यहां पर भी लंबे समय से आजादी की मांग चल रही है। चरमपंथी संगठनों ने अपने देश का नाम भी तय कर रखा है- बलवारिस्तान यानी ऊंचाइयों का देश। ये इसलिए क्योंकि ये पूरा इलाका ही पहाड़ों और वादियों का है ।समय-समय पर यहां आंदोलन होते रहे। यहां के नेताओं का आरोप है कि पाकिस्तान का सबसे शानदार टूरिस्ट स्पॉट होने के बाद भी वो उन्हें ज्यादा प्रमोट नहीं करती। सरकारी योजनाएं भी यहां पूरी तरह से लागू नहीं होतीं। यही देखते हुए गिलगित-बाल्टिस्तान की मांग होती रही। लेकिन सरकार लगातार इसके लीडर्स को खूनी संघर्ष में खत्म करती रही। इसके अलावा भी पूरे देश में छिटपुट हिस्सों में अलगाववाद पनपता रहा। यहां तक कि देश के विभाजन के कुछ समय बाद आए मुस्लिमों को भी वहां स्वीकारा नहीं जा रहा। ये लोग मुहाजिर कहलाते और योजनाओं से दूर रखे जाते हैं। ये भी मुहाजिर सूबे की मांग बीच-बीच में कर लेते हैं। वैसे ये उस तरह के एक्सट्रीम नहीं हैं, जिनपर पाकिस्तान परेशान रहे।

बलूचिस्तान की आजादी में बोलती है हिंदुस्तानी आत्मा

-सुरेश गांधी

भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच बलूचिस्तान की आजादी की मांग तेज हो गई है। भला क्यों नहीं, मौका है भारत में राष्ट्रवादी सरकार का और उसके अनुरुप अपेक्षाओं का। दावा है कि पाकिस्तान का हर साल हजारों बलूच लोगों को गायब करके मार देना अगर एक के लिए सच है. तो एक बलूची की हर दिन छिनती रोजी और कुचलते जम्हूरियत के हुकूक के बीच से उठती स्वराज की मांग भी दूसरे के लिए सच है. दिलचस्प बात ये है कि एक समय बलूचिस्तान की आजादी की पैरोकारी भी मुहम्मद अली जिन्ना ही कर रहे थे. मीर ने दावा किया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान में पैदा हुए तनाव के बीच, बलूचिस्तान और उसके लोगों ने भारत के प्रति समर्थन जताया है। उन्होंने कहा बलूचिस्तान लोकतांत्रिक गणराज्य के लोग भारत के लोगों को अपना पूरा समर्थन देते हैं। चीन पाकिस्तान की मदद कर रहा है, लेकिन बलूचिस्तान और उसके लोग भारत की सरकार के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अकेले नहीं हैं, आपके पास 6 करोड़ बलोच देशभक्तों का समर्थन है। खास यह है कि पाकिस्तान से आजादी के ऐलान के लिए बलूचिस्तान ने अपना नया झंडा और नया नक्शा भी जारी कर दिया है. बलूच नेता मीर यार ने बलूचिस्तान के पाकिस्तान से अलग होने का दावा किया और दुनियाभर के देशों से इस फैसले के समर्थन और अलग देश को मान्यता देने की मांग की है. बलूचों द्वारा जिस तरह से आए दिन पाकिस्तानी सेना और आर्म्ड फोर्सेज की यूनिट को निशाना बनाकर पाकिस्तान की सरकार को चेतावनी दी जा रही है, उससे साफ है कि अलग राष्ट्र की मांग रुकने वाली नहीं है. अगर बलूचिस्तान एक स्वतंत्र देश हो जाता है, तो देश के हिंदुओं के लिए दो बड़े और ऐतिहासिक मंदिरों के द्वार खुल जाएंगः पहला हिंगलाज माता मंदिर और दूसरा कटासराज मंदिर. जिस तरह से भारतीय सिख समुदाय के लिए करतारपुर कॉरिडोर बनाया गया और गुरुद्वारा दरबार साहिब तक पहुंच आसान हुई, ठीक उसी तरह से हिंगलाज माता मंदिर और कटासराज मंदिर के द्वार भारतीय हिंदू के लिए खुल सकते हैं.

संयुक्त राष्ट्र के नियमों के मुताबिक किसी भी नए देश को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने के लिए एक तय प्रक्रिया से गुजरना होता है. यह पाकिस्तान के कुल क्षेत्रफल का 44 प्रतिशत हिस्सा है. बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को बलूचिस्तान की आजादी का ऐलान कर दिया. उन्होंने दावा किया कि बलूच लोग दशकों से हिंसा, मानवाधिकार उल्लंघन और अपहरण का सामना कर रहे हैं और अब उन्होंने अपना फैसला सुना दिया है कि बलूचिस्तान अब पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है. मीर यार ने भारत और वर्ल्ड समुदाय से बलूचिस्तान की आजादी को मान्यता देने और समर्थन की अपील की है. बलूचिस्तान में लंबे समय से पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नाराजगी है. वहां की जनता पाकिस्तान से अलग होकर स्वतंत्र देश बनना चाहती है. इसकी बड़ी वजह दशकों से जारी हिंसा सेना की कार्रवाई और स्थानीय लोगों के शोषण को बताया जा रहा है. मीर यार बलोच का कहना है कि बलूच लोग सड़कों पर उतर चुके हैं और यह आंदोलन अब रुकने वाला नहीं है. उन्होंने भारत से नई दिल्ली में बलूच दूतावास खोलने की अनुमति और संयुक्त राष्ट्र से आर्थिक मदद पासपोर्ट, करेंसी आदि के लिए फंड की मांग भी की है. बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध प्रांत है, जो ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। खास यह है कि जब पाकिस्तान इस पर जबरन अपना आधिपत्य जमाया है, तब से लेकर आज तक बलूच लोग कई बार पाकिस्तान सरकार के खिलाफ बगावत कर चुके हैं। उनकी मुख्य मांगें हैः राजनीतिक स्वायत्तता या स्वतंत्रता, प्राकृतिक संसाधनों (गैस, खनिज, तटवर्ती क्षेत्र) पर अधिकार, पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसियों द्वारा हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन का अंत, बलूच आंदोलन को दुनिया भर में बलूच डायस्पोरा (प्रवासी समुदाय) समर्थन देता है, विशेषकर यूरोप, अमेरिका और भारत में। बलूचिस्तान की आजादी की मांग और हिंगलाज देवी की उपस्थिति एक साथ यह दशार्ती है कि राजनीतिक सीमाएं संस्कृति और आस्था को नहीं बांध सकतीं। हिंगलाज देवी इस बात की प्रतीक हैं कि भारत और बलूचिस्तान का रिश्ता केवल भूगोल का नहीं, बल्कि खून, संस्कृति और विश्वास का है।

मंदिर आज भी बलूचों और भारतीयों के साझा इतिहास की गवाही देता है, जिसे पाकिस्तान की झूठी सरहदें मिटा नहीं सकतीं। पाकिस्तान चाहे जितना बल प्रयोग कर ले, न बलूचों की आजादी की चाह मरेगी, न भारत और हिंगलाज माता का रिश्ता। भारत में बलूच स्वतंत्रता आंदोलन को कुछ हलकों से नैतिक समर्थन भी प्राप्त है। हर साल नवरात्रि के अवसर पर कई हिन्दू तीर्थयात्री यहां दर्शन के लिए आते थे, लेकिन अब पाकिस्तान सरकार की अनुमति पर निर्भर है। राजस्थान, गुजरात और मध्य भारत में बसे हिंगलाज माता भक्त आज भी मानसिक रूप से उस तीर्थ से जुड़े हैं। बता दें, 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय बलूचिस्तान एक स्वतंत्र रियासत था। 1948 में पाकिस्तान द्वारा बलपूर्वक धोखे से अपने कब्जे में ले लिया। तब से लेकर अब तक बलूच लोग अपनी आजादी की लड़ाई लड़ रहे हैं। कभी बंदूक से, कभी कलम से, और कभी अपने लापता बेटों की तस्वीरें लिए सड़कों पर। पाकिस्तान की सेना द्वारा किए गए मानवाधिकार उल्लंघनों की लंबी सूची हैः अपहरण, हत्या, और संसाधनों की लूट। बलूच लोगों का आरोप है कि पाकिस्तान सरकार ने उनके संसाधनों का दोहन किया, उन्हें राजनीतिक हाशिए पर रखा और उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन किया। आज भी बलूच विद्रोही संगठन पाकिस्तान से स्वतंत्रता की मांग कर रहे हैं। मतलब साफ है यह संघर्ष न केवल राजनीतिक है, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों को बचाने का संघर्ष भी है। वैसे तो यह मंदिर आदिकाल से है. लेकिन इतिहास के ज्ञात स्त्रोतों के मुताबिक यह.मंदिर 2000 वर्ष पहले भी यहीं स्थित था. पाकिस्तान में बलूचिस्तान हमेशा से बफर जोन वाला हिस्सा रहा है, और बलोच सरकार के साथ हमेशा से इसका संघर्ष रहा है. वैसे बलूचिस्तान प्रांत का जितना जुड़ाव पाकिस्तान से है, उतना ही यह हिस्सा भारतीयों के लिए भी महत्वपूर्ण रहा है. धार्मिक नजरिए से देखें तो बलूचिस्तान में ही 51 शक्तिपीठों में से एक महत्वपूर्ण शक्ति स्थल मौजूद है, जो हिंगलाज भवानी के नाम से मशहूर है. कहा जाता है हिंगोल नदी के तट पर स्थित ये शक्तिपीठ सतयुग के समय से है जिसे देवी आदिशक्ति के कई अवतारों और स्वरूपों में से एक माना जाता है.

आंदोलन के मुख्य मुद्देः

बलूच राष्ट्रवादी संगठनों का दावा है कि पाकिस्तान ने जबरदस्ती बलूचिस्तान को मिलाया और वहां के संसाधनों का शोषण किया।

राजनीतिक और प्रशासनिक स्वायत्तता

गैस, तांबा, कोयला जैसे संसाधनों पर स्थानीय अधिकार

पाकिस्तानी सेना द्वारा मानवाधिकारों का हनन

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बलूच प्रवासी इस मुद्दे को उठाते रहते हैं।

बलूच लोगों के मानवाधिकारों का सम्मान किया जाए।

भारत में बलूच और हिन्दू सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखा जाए।

बलूच-हिंदू संबंधों पर और शोध तथा संवाद को बढ़ावा दिया जाए।

51 शक्तिपीठों में से एक है माता हिंगलाज, होती है मस्तक की पूजा

बलूचिस्तान की गुफाओं और पहाड़ियों के बीच बसी हैं हिंगलाज माता, जो 51 शक्तिपीठों में से एक हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार, यही वह स्थान है जहां देवी सती का ब्रह्मरंध्र (मस्तक) गिरा था। यह तीर्थ भारत के करोड़ों हिन्दुओं, विशेषकर राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के लोगों की कुलदेवी भी हैं। खास यह है कि न केवल हिन्दू श्रद्धालु, बल्कि स्थानीय बलूच मुसलमान भी इस मंदिर को ह्लनानी मंदिरह्व के नाम से श्रद्धा से पूजते हैं। यह बलूच संस्कृति की सहिष्णुता और धर्मनिरपेक्षता का परिचायक है। हिंगलाज माता भारत और बलूचिस्तान के बीच एक ऐसे सांस्कृतिक सेतु का कार्य करती हैं, जो राजनीतिक सीमाओं से परे है। भारत में हिंगलाज माता के भक्त आज भी बलूचिस्तान के मंदिर की ओर मन से झुकते हैं। कई संतों और साधुओं ने सदियों तक इस तीर्थ की यात्रा की है। यह संबंध केवल धार्मिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और भावनात्मक भी है। बलूचिस्तान की धरती पर स्थित यह तीर्थ इस बात का प्रमाण है कि भारत और बलूच सांस्कृतिक धारा एक समय एक साथ बहती थी।

दुर्गा चालीसा में भी है हिंगलाज माता का जिक्र

हिंगलाज देवी का जिक्र दुर्गा चालीसा में भी होता है. इसमें देवी दुर्गा का एक नाम हिंगलाज भवानी बताया गया है और कहा गया है..कि उनकी महिमा का बखान नहीं किया जा सकता है.

हिंगलाज में तुम्हीं भवानी,
महिमा अमित न जात बखानी

हिंगलाज शब्द, सुहाग की रक्षा करने वाली देवी के तौर पर आया होगा. हिंगुल शब्द का अर्थ सिंदूर से भी होता है. ऐसे में सिंदूर की लाज बचाने वाली देवी हिंगलाज भवानी हैं. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सतयुग में जब भगवान शिव की पत्नी देवी सती ने दक्ष यज्ञ में खुद को नष्ट कर लिया, तब क्रोधित शिव सती की मृत देह को लेकर तीनों लोकों का भ्रमण..करने लगे. शिव के क्रोध को शांत करने के लिए और उन्हें इस दुख से उबारने के लिए भगवान विष्णु ने सती के शरीर को चक्र से काट दिया और सती के शरीर के अलग-अलग अंग जिन 51 स्थलों पर गिरे, वह शक्तिपीठ कहलाए. केश गिरने से महाकाली, नैन गिरने से नैना देवी, सहारनपुर के पास शिवालिक पर्वत पर शीश गिरने से शाकम्भरी आदि..शक्तिपीठ बन गए. सती माता के शव के सिर का पिछला हिस्सा (ब्रह्मरंध्र) हिंगोल नदी के तट पर चंद्रकूप पर्वत पर गिरा और यहां हिंगलाज भवानी की स्थापना हुई. संस्कृत में हिंगुला शब्द सिंदूर के लिए भी प्रयोग होता है, इस तरह माता की मान्यता सुहागिन महिलाओं में भी बहुत है.

हिंगलाज भवानी की तीर्थयात्रा

सनातन परंपरा में शक्तिपीठों को आदिशक्ति देवी दुर्गा का साक्षात स्वरूप माना जाता है. इस शक्तिपीठ के बारे में मान्यता है कि, यहां की यात्रा चार धाम की यात्रा जितनी ही फलदायी है. जिस तरह जीवन में एक बार प्रयाग के संगम में स्नान, गंगा सागर में तर्पण और चारधामों के दर्शन जरूरी हैं, उसी तरह हिंगलाज भवानी के दर्शन भी तीर्थयात्रा में शामिल हैं. बंटवारे.से पहले तक शक्तिपीठों की तीर्थयात्रा की एक परंपरा भी थी, जिसे कनफड़ योगी जरूर निभाते थे और यह उनसे होकर सामान्य लोगों के बीच भी प्रचलित थी. हालांकि कनफड़ योगी अभी भी शक्तिपीठ यात्रा परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं और शाक्त मत के अनुयायी-श्रद्धालुओं के लिए यह स्थल सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन बंटवारे के बाद हिंगलाज भवानी के तीर्थयात्रियों की संख्या में कमी आई, हालांकि अभी भी कई श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं.

बालोची करते हैं देखभाल

स्थानीय बलोच लोग इसे बेहद चमत्कारिक स्थान मानते हैं. सुरम्य पहाड़ियों की तलहटी में स्थित यह गुफा मंदिर इतने बड़े क्षेत्र में है कि श्रद्धालु दंग रह जाते हैं. वैसे तो यह मंदिर आदिकाल से हलेकिन इतिहास के ज्ञात स्त्रोतों के मुताबिक यह मंदिर 2000 वर्ष पहले भी यहीं स्थित था. शक्तिपीठ में देवी की मौजूदगी पिंडी स्वरूप में, एक शिला पर देवी का स्वरूप उभरा हुआ है, जिसके दर्शन करने के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं.नवरात्रि के दौरान तो यहां पूरे नौ दिनों तक शक्ति की उपासना का विशेष आयोजन होता है. सिंध-कराची के हजारों सिंधी हिन्दू श्रद्धालु यहां माता के दर्शन को आते हैं. भारत से भी प्रतिवर्ष एक दल यहां दर्शन के लिए जाता है.

माता हिंगलाज देती है मोक्ष का वरदान

प्राचीन ग्रंथों के मुताबिक एक सनातनी हिंदू चाहे चारों धाम की यात्रा क्यों ना कर ले, काशी के गंगाजल में स्नान भी क्यो ना कर ले, अयोध्या में दर्शन कर ले. लेकिन अगर वह हिंगलाज देवी के दर्शन नहीं करता तो उसका जीवन व्यर्थ हो जाता है. स्थानीय परंपरा के मुताबिक जो स्त्रियां इस स्थान का दर्शन कर लेती हैं उन्हें हाजियानी कहते हैं. उन्हें हर धार्मिक स्थान पर सम्मान के साथ देखा जाता है. पाकिस्तान का सबसे बड़े हिंदू उत्सव हिंगलाज यात्रा मनाया जाता है। हिंगलाज माता का प्राचीन गुफा मंदिर देश के उन कुछ हिंदू स्थलों में से एक है, जहां हर साल बड़ी संख्या में तीर्थयात्री आते हैं। आपको बता दें कि मुस्लिम बहुल पाकिस्तान में 44 लाख हिंदू रहते हैं, जो कि कुल आबादी का सिर्फ 2.14 प्रतिशत है। भक्तगण ज्वालामुखी के शिखर तक पहुंचने के लिए सैकड़ों सीढ़ियां चढ़ते हैं या चट्टानों से होते हुए यात्रा करते हैं। यहां मौजूद गड्ढे में नारियल और गुलाब की पंखुड़ियां फेंकते हैं और हिंगलाज माता के दर्शन के लिए दैवीय अनुमति मांगते हैं। यहां तीन दिवसीय मेला लगता है। मंदिर के सबसे वरिष्ठ पुजारी महाराज गोपाल बताते हैं कि लोग यहां क्यों आते हैं। वह कहते हैं, ह्लयह हिंदू धर्म में सबसे पवित्र तीर्थस्थल है। जो कोई भी इन तीन दिनों के दौरान मंदिर में आता है और पूजा करता है, उसके सभी पाप क्षमा हो जाते हैं।ह्व

अंगारों पर चलने की परंपरा

मान्यताओं के अनुसार एक बार यहां माता ने प्रकट होकर वरदान दिया कि जो भक्त मेरा चुल चलेगा उसकी हर मनोकामना पुरी होगी. चुल एक प्रकार का अंगारों का बाड़ा होता है जिसे मंदिर के बाहर 10 फिट लंबा बनाया जाता है और उसे धधकते हुए अंगारों से भरा जाता है. इन्हीं अंगारों पर चलकर मन्नतधारी मंदिर में पहुचते हैं. ये माता का चमत्कार ही है कि किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है और उसकी मन्नत जरूर पूरी होती है. हालांकि पिछले कुछ सालों से इस परंपरा पर रोक लगी है.इस मंदिर से जुड़ी एक और मान्यता है. कहा जाता है कि हर रात इस स्थान पर ब्रह्मांड की सभी शक्तियां एकत्रित होकर रास रचाती हैं और दिन निकलते हिंगलाज माता के भीतर समा जाती हैं. श्री राम ने भी इस सिद्ध पीठ में टेक चुके है मत्था

आदिकाल से हिंगलाज भवानी के दर्शन की परंपरा रही है. मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम भी यात्रा के लिए इस सिद्ध पीठ पर आए थे..हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार भगवान परशुराम के पिता महर्षि जमदग्नि ने यहां घोर तप किया था. उनके नाम पर आश्रम नाम का स्थान अब भी यहां मौजूद है. पुराणों में उल्लेख मिलता है कि इस प्रसिद्ध मंदिर में माता की पूजा करने को गुरु गोरखनाथ, गुरु नानक देव, दादा मखान जैसे महान आध्यात्मिक संत आ चुके हैं. खुली गुफा में है मंदिर

हिंगलाज माता का मंदिर ऊंची पहाड़ी पर बनी एक गुफा में है. यहां माता का विग्रह रूप विराजमान है.

दक्षिण-पश्चिम एशिया में स्थित बलूचिस्तान केवल पाकिस्तान का एक प्रांत नहीं, बल्कि यह एक जिंदा कौम की भूमि है, जिसकी संस्कृति, आस्था और इतिहास के साथ आध्यात्मिक दृष्टि से भारत से गहराई से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान ने बलूचों की धरती को जबरन कब्जाया, लेकिन उनकी आत्मा और पहचान पर कब्जा नहीं कर सका। यही नहीं, इसी बलूच भूमि पर विराजमान हैं हिंगलाज माता – सनातन की पवित्र शक्ति पीठ, जो आज भी इस बात की गवाही देती हैं कि भारत और बलूच एक सांस्कृतिक राग से जुड़े हैं। इसी संस्कृति और विरासत या यूं कहें हिंगलाज देवी मंदिर भारत और बलूचिस्तान की साझी विरासत को सहेजने के लिए बलूच लोग अपनी आजादी और पहचान के लिए दशकों से संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या पाकिस्तान ये भी दावा करेगा कि भारत की कुलदेवियां अब उसकी हैं? बलूच मुसलमान भी इस मंदिर को ह्लनानी मंदिरह्व कहते हुए इज्जत देते हैं. यह पाकिस्तान की कट्टरपंथी सोच पर करारा तमाचा है. बलूचिस्तान का संघर्ष दुनिया की निगाहों से भले ही ओझल हो, लेकिन भारत में हिंगलाज माता की आराधना उस सांस्कृतिक एकता की याद दिलाती है, जिसे किसी भी दीवार से अलग नहीं किया जा सकता

सांसद वर्षा गायकवाड़ को मिलेगा संसदरत्न पुरस्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्राइम पॉइंट फाउंडेशन द्वारा संसद में जनता और राष्ट्रहितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाने वाले महाराष्ट्र के सात सांसदों को संसदरत्न पुरस्कार 2025 के लिए चयनित किया गया है। इन सांसदों में उत्तर मध्य मुंबई लोकसभा से कांग्रेस की सांसद वर्षा गायकवाड का समावेश है। जुलाई में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़ी वर्षा गायकवाड एक तेज तर्रार सांसद के रूप में जानी जाती है। मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष होने के साथ-साथ वे कई सामाजिक संगठनों से भी जुड़ी हुई है। उनके पिता स्व. एकनाथ गायकवाड भी सांसद रहे हैं। वर्षा गायकवाड़ को संसदरत्न पुरस्कार के लिए चयन किए जाने पर विश्व सिंधी सेवा संगम के राष्ट्रीय सलाहकार महेंद्र रूपारेल, एनएसयूआई के नेशनल डेलीगेट निखिल रूपारेल तथा मुंबई कांग्रेस की महिला महासचिव प्रीति चोकसी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वर्षा ताई ने संसद में हमेशा आम आदमी से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए आवाज उठाई है। उन्होंने हमेशा अन्याय का खुलकर विरोध किया है। संसदरत्न पुरस्कार के लिए उनका चयन साबित करता है कि वे लगातार जन समस्याओं को लेकर बेहद गंभीर रही हैं। सांसद रत्न के लिए चयन संसद में सवाल पूछने, बहस में भाग लेने, विधायी कार्यों में योगदान और समितियों में काम करने जैसे विभिन्न मानदंडों के आधार पर एक विशेष मूल्यांकन के बाद किया जाता है। इस पुरस्कार के लिए सांसदों का चयन राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर की अध्यक्षता वाली जूरी समिति द्वारा किया गया है।

तारापुर ग्रामपंचायत में नागरिक संरक्षण दल का प्राथमिक प्रशिक्षण की शुरूआत

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के तारापुर ग्रामपंचायत में नागरिक संरक्षण दल का प्राथमिक पाठ्यक्रम प्रशिक्षण शनिवार 17 मई 2025 से प्रारंभ हो चुका है। यह प्रशिक्षण नागरिक संरक्षण दल के उपनियंत्रक काशीनाथ कुरकुटे के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। यह पांच दिवसीय प्रशिक्षण सत्र 21 मई 2025 तक चलेगा, जिसमें नागरिकों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा, अग्निशमन, बचाव कार्य तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए तैयार करना है। आयोजकों ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण में बढ़-चढ़कर भाग लें और स्वयं को तथा अपने समुदाय को सुरक्षित बनाने में योगदान दें। यह प्रशिक्षण निःशुल्क है और 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग के नागरिकों के लिए खुला है।

शिवाजी नगर स्थित लक्ष्मी प्लास्ट में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए नई चार्जिंग मशीन स्थापित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र के सालवड ग्राम पंचायत अंतर्गत शिवाजी नगर स्थित लक्ष्मी प्लास्ट परिसर में अब इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग और भी आसान हो गई है। यहाँ एक नई 30 किलोवाट की चार्जिंग मशीन स्थापित की गई है, जिससे अब एक साथ दो इलेक्ट्रिक गाड़ियों को चार्ज किया जा सकता है। यह पहल इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नई मशीन के लगने से स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी और समय की भी बचत होगी। इस आधुनिक चार्जिंग मशीन से न केवल चार्जिंग की रफ्तार बढ़ेगी, बल्कि इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता को भी बल मिलेगा। इस पहल के पीछे प्रसिद्ध समाजसेवी उद्योजक गिरजेश राजकिशोर सिंह सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, जो कि इस क्षेत्र में नई तकनीकों और पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधनों को बढ़ावा देने में अग्रसर हैं। भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में और बढ़ोतरी की संभावना है और यह कदम उस दिशा में एक सकारात्मक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। आने वाले समय में शिवाजी नगर जैसे क्षेत्र इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में उदाहरण बन सकते हैं।

अभय प्रभावना म्युजियम बना म्युजियम ऑफ आइडियाज

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (इंटरनेशनल म्युजियम डे) के अवसर पर जब पूरा विश्व म्युजियमों के उद्देश्य पर विचार कर रहा है, वहीं भारत का एक म्युजियम दुनिया भर में सुर्खियों में आ गया है। डॉ अभय फिरोदिया द्वारा परिकल्पित और अमर प्रेरणा ट्रस्ट द्वारा विकसित अभय प्रभावना म्युजियम को म्युजियम ऑफ आइडियाज कहा जा सकता है यह एक ऐसा स्थान है जहां मूल्यों, दृष्टिकोण एवं सभ्यतागत विचारों को संरक्षित किया जाता है तथा अतीत एवं भविष्य को आकार देने वाले जीवंत आदर्शों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। महाराष्ट्र की पाले गुफाओं के समीप 50 एकड़ में फैला अभय प्रभावना का परिसर पारम्परिक म्युजियम के विचार को नया आयाम देता है।

पालघर में शिवसेना द्वारा निकाली गई भव्य तिरंगा रैली

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा भारतीय पर्यटकों पर किए गए हमले में 26 भारतीय नागरिकों की जान चली गई। इस दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया और पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग तेज हो गई। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर भारतीय सेना के तीनों अंगों वायुसेना, नौसेना और थलसेना ने आक्रमक रुख अपनाते हुए ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल के तहत पाकिस्तान पर सटीक और प्रभावी हमला किया। इसके चलते पाकिस्तान को दुनिया भर के देशों से मध्यस्थता की गुहार लगानी पड़ी। भारतीय सेना के इस साहस और शौर्य को सम्मान देने के उद्देश्य से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री व जननायक एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना द्वारा पूरे राज्य में भव्य तिरंगा रैलियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में पालघर में भी शिवसेना शिंदे गुट की ओर से छत्रपती शिवाजी चौक से लेकर पांच बत्ती हुतात्मा चौक तक तिरंगा रैली निकाली गई। इस भव्य तिरंगा रैली में हजारों की संख्या में शिवसैनिकों के साथ-साथ पालघर के नागरिक भी शामिल हुए। महिलाओं ने गर्व के साथ

तिरंगा अपने हाथों में थाम रखा था और देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत नागरिकों ने तिरंगे को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। देशभक्ति और एकता के प्रतीक इस तिरंगा रैली ने पालघरवासियों के मन में देश के प्रति गर्व और उत्साह की भावना और भी प्रबल कर दी। इस रैली में बोईसर विधानसभा के विधायक विलास तरे, पालघर शिवसेना जिलाप्रमुख कुंदन संखे, जिलाप्रमुख वसंत चव्हाण, सहसंपर्क प्रमुख केदार काले, पूर्व विधायक मनीषा निमकर, पूर्व विधायक अमित घोडा, जिला संघटिका वैदेही वाढाण व वैष्णवी राहणे, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष भारती कामडी, शहर प्रमुख राहुल घरत, युवासेना जिलाध्यक्ष साईराज पाटील, कुणाल पाटील, डहाणू विधानसभा क्षेत्र प्रमुख सुनील इभाड, तहसील प्रमुख संतोष देशमुख, संजय चौधरी, आशीर्वाद रिंजड, हेमंत धर्ममेहेर, पूर्व नगराध्यक्ष उत्तम घरत, पूर्व नगरसेवक सुभाष पाटील, बंड्या म्हात्रे, तुषार भानुशाली, अमोल पाटील, बंड्या वडे, अक्षय संखे, शहर पदाधिकारी सविता मल्ला, बिंदिया दीक्षित, दीपा पामाले, संजू धोत्रे, चेतन घोडके, नैवेद्य संखे, सरपंच घनश्याम मोरे, तृप्ती संखे, कुणाल पाटील, रश्मी पाटील, योगिता वडे, नमिता पिंपले, युवासेना पदाधिकारी कुमार माली, विकी संखे, महिला सेना की मंगला गावकर, सरिता ठाकूर, माधविका पाटील, स्नेहल पांचाल, वैशाली यादव, वर्षा राऊत, संगीता पाटील, मनाली मोरे, तहसील पदाधिकारी विराज गडग, अभिजीत देसक, प्रकाश सांभर तथा विश्व हिंदू परिषद के मुकेश दुबे समेत हजारों लोग शामिल हुए।

भामाशाह के निधन से ठक्कर बापा कॉलोनी में शोक की लहर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अमेरिका निवासी भामाशाह भंवर लाल नवल के अचानक निधन से ठक्कर बापा कॉलोनी में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। बता दें कि एक ऐसा भामाशाह जिसने राजस्थान नागौर जिले में अस्पताल, स्कूल क्रिकेट स्टेडियम ,सामूहिक विवाह, जरूरतमंद महिलाओं के नाम पर एफडी करवाना ऐसे हजारों पुण्य कार्य किया । उनके निधन से गरीबों का एक मसीहा चला गया। इस दौरान उत्तर मध्य मुंबई जिला कांग्रेस के कार्याध्यक्ष कुर्ला निवासी सुभाष भालेराव संत रविदास भवन में आयोजित शोक सभा में पहुंचे उन्होंने कहा की भंवरलाल नवल सही मायने में एक बहुत बड़े भामाशाह थे। उनके जाने से समाज की बहुत बड़ी क्षति हुई है। भामाशाह के निधन से जो क्षति हुई है उसकी पूर्ति होना नामुमकिन है वे हमेशा याद किए जाएंगे इस मौके पर भंवरलाल नवल के छोटे भाई महावीर नवल ,श्रवण चंद्र नवल, रविंद्र कुराडिया सहित बड़ी संख्या में राजस्थान रेगर समाज के लोग उपस्थित थे।

भायंदर और मीरा रोड स्टेशनों का निरीक्षण कर नरेश म्हस्के ने दिया निर्देश

भायंदर (उत्तरशक्ति)। शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने आज रेल यात्रियों की समस्याओं के निराकरण की दिशा में भायंदर और मीरा रोड स्टेशनों का निरीक्षण किया। एक तरफ जहां उन्होंने अधूरे और अव्यवस्थित कार्यों के लिए रेल अधिकारियों को डांट लगाई वहीं अच्छे काम के लिए मीरा रोड के स्टेशन मास्टर का सम्मान भी किया। इस अवसर पर उनके साथ शिवसेना 145 विधानसभा प्रमुख विक्रम प्रताप सिंह, जिला प्रमुख राजु भोईर, उत्तर भारतीय जिलाध्यक्ष विद्याशंकर चतुर्वेदी , राजस्थान विभाग के जिलाध्यक्ष कपिल परमार , उप जिलाप्रमुख रामभुवन शर्मा, ब्रिसेन सिंह शिवा, रेल प्रवासी संघ के अध्यक्ष कमलेश शाह, उप शहर प्रमुख उबैद शेख, उप शहर प्रमुख संकेत पाटिल,

शाखा प्रमुख महेश शिंदे व अन्य नागरिकों के साथ साथ रेल प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। सांसद नरेश म्हस्के ने सबसे पहले भायंदर स्टेशन का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने लंबी दूरी की गाड़ियों के ठहराव को लेकर बढ़ाए जा रहे प्लेटफार्मों की लंबाई का निरीक्षण कर काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह द्वारा राजस्थान जाने वाली गाड़ियों तथा जौनपुर जाने वाली वंदे भारत ट्रेन को भायंदर स्टेशन पर ठहराव को लेकर की गई मांग के संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस दिशा में सकारात्मक काम चल रहा है। एस्केलेटर तथा लिफ्ट की समस्या को 10 दिनों के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। रेल यात्रियों के लिए बने टॉयलेट की गंदगी को देख बेहद नाराज हुए नरेश म्हस्के ने डीआरएम पंकज सिंह तक को खरी खोटी सुनाई। भायंदर स्टेशन का निरीक्षण करने के बाद वे लोकल ट्रेन द्वारा मीरा रोड स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने पूरे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। यहां के टॉयलेट को साफ देखकर उन्होंने स्टेशन मास्टर नरेश प्रसाद का सम्मान भी किया। म्हस्के ने कहा कि रेल यात्रियों की समस्याओं के निराकरण की दिशा में वे पिछले 3 महीने से लगातार वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्माण कार्यों को गति देने का निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मीरा भायंदर के रेल यात्रियों की समस्याओं का तत्काल निराकरण होना चाहिए। उन्हें किसी तरह की तकलीफ नहीं होनी चाहिए।

टिटवाला वासियों को मिला उनके अधिकारों का उद्यान, डिप्टी सीएम शिंदे द्वारा ऑनलाइन लोकार्पण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका द्वारा टिटवाला में शानदार उद्यान का निर्माण किया गया है। रविवार को राज्य के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने इस गार्डन का ऑनलाइन लोकार्पण किया। टिटवाला के नागरिक और शिंदे सेना के उपशहर प्रमुख विजय देशेकर ने इस उद्यान के लिए पिछले कई वर्षों से संघर्ष किया। शासन के दरबार में उन्होंने कई अर्जियां की ताकि टिटवाला के नागरिकों को सुंदर और सुविधाओं से लैस उद्यान मिल सके। आखिरकार विजय देशेकर की मेहनत रंग लाई है। टिटवाला के नागरिकों को उनकी सुविधा के हिसाब से एक विशाल और खूबसूरत उद्यान बनाकर तैयार हो चुका है। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे द्वारा ऑनलाइन प्रणाली से उदघाटन करने के बाद टिटवाला में आनंदोत्सव मनाया गया। विजय देशेकर के साथ महायुति के पदाधिकारी एवं टिटवाला के नागरिकों ने नाम फलक का अनावरण कर रिबिन काटकर उद्यान की शुभ शुरूआत की। साथ ही आतिशबाजी कर बच्चों

में खाने की वस्तु का वितरण कर जश्न मनाया गया। विजय देशेकर ने बताया कि महापालिका की तत्कालीन आयुक्त डा.इंदुरानी जाखड़ के साथ-साथ शिंदे सेना के विधायक विश्वनाथ भोईर ने इस उद्यान की पूर्तता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं उद्यान का निर्माण करने वाली कंपनी के सर्वेसर्वा कैलास बाबड़े और मनोज आंबेकर का भी सम्मान किया गया।

टेम्पो चालक ने की रिक्सा चालक की बेरहमी से पिटाई

दिनदहाड़े सड़क पर टेम्पो वाले कि गुंडागर्दी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के नेतिवली में टेम्पो चालकों द्वारा एक रिक्शा चालक की बेरहमी से पिटाई किए जाने की घटना सामने आई है। जख्मी रिक्शा चालक समीर शेख की शिकायत पर कोलसेवाड़ी पुलिस ने दो अज्ञात टेम्पो चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जख्मी समीर शेख ने बताया कि वह रोजाना की तरह सुबह रिक्शा लेकर घर निकले।

पीछे से एक आइसर टेम्पो तेज रफ़्तार में आ रही थी। वहीं रिक्शा के बगल से एक स्कूटी सवार महिला गुजर रही थी, इसलिए समीर ने अपनी रिक्शा की स्पीड धीमी कर ली। इस दौरान टेम्पो चालक ने जोर-जोर से हॉर्न बजाया। जब समीर ने टेम्पो चालक से पूछा कि हॉर्न क्यों बजा रहे हो। इस बात पर टेम्पो चालक और उसके साथी ने समीर को गालियां बकनी शुरू की। इसके बाद टेम्पो से लोहे की रॉड और डंडा निकालकर दोनों ने समीर की बड़ी बेरहमी से पिटाई कर दी। मारपीट में समीर शेख बुरी तरह लहूलुहान हो गए। घटना के बाद दोनों टेम्पो लेकर फरार हो गए। इस घटना में समीर की शिकायत पर कोलसेवाड़ी पुलिस ने दो अज्ञात आरोपियों पर मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

अभी और कितनी मौतों के इंतजार में है रेलवे प्रशासन?

चेंबूर के गायकवाड़ नगर में ओवर ब्रिज न होने से पुन: घटी रेल दुर्घटना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रेल मंत्रालय जहां एक तरफ संपूर्ण देश में वंदेभारत जैसी अत्याधुनिक ट्रेनों को चला रहा है इसके अलावा बुलेट ट्रेन चलाने की कवायद में जुटा हुआ है वहीं दूसरी तरफ मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले हार्बर मार्ग के चेंबूर के गायकवाड़ नगर इलाके के नागरिकों को जान हथेली पर रखकर रेल पटरी पार करनी पड़ रही है। रविवार को यहां एक बार फिर रेल पटरी पार करने के दौरान अशोक देवकुले की लोकल ट्रेन की चपेट में आ जाने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अनेक ठिकानों पर नागरिकों को आज भी जान हथेली पर रखकर रेल पटरी पार करनी पड़ रही है। इस कारण हार्बर मार्ग पर हर साल बड़े पैमाने पर रेल पटरी पार करने के दौरान दुर्घटनाएं हुआ करती हैं। लेकिन उसके बाद भी रेल मंत्रालय इन दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

ज्ञात हो कि मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले हार्बर मार्ग के चेंबूर, गोवंडी रेल स्टेशनों के बीच अनेक ठिकानों पर स्कूली बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ

नागरिकों द्वारा सुबह से शाम तक खुले आम रेल पटरी पार करनी पड़ रही है। जिसके कारण हमेशा ही दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। मुंबई कांग्रेस के सचिव डॉ. सत्तार खान ने बताया कि वर्तमान समय में चेंबूर गायकवाड़ नगर,मानखुर्द महात्मा फुले नगर, महाराष्ट्र नगर में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिकों को जान हथेली पर रखकर रेल पटरी पार करनी पड़ रही है।

डॉ. सत्तार खान ने यह भी बताया कि चेंबूर गायकवाड़ नगर के निवासियों द्वारा पिछले सात आठ सालों से यहां पर ओवर ब्रिज बनाने की मांग की जा रही है। यहां तक कि हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। ओवर ब्रिज निर्माण के लिए नक्शा भी तैयार किया गया। इसके अलावा ब्रिज के निर्माण के लिए मिट्टी की टेस्टिंग भी की जा चुकी है। लेकिन इतना सब कुछ होने के बाद भी मनपा और रेल प्रशासन की ओर से अभी तक ब्रिज निर्माण के लिए निर्णय नहीं लिया जा रहा है।

खान ने बताया कि गायकवाड़ के निवासियों को सुभाष नगर, चेंबूर आने जाने के लिए खुले आम रेल पटरी पार कर जाना पड़ता है। रेल पटरी पार करने के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की मौत भी हो चुकी है। इसी तरह रविवार को गायकवाड़ के निवासी अशोक देवकुले (48) जो कि घर का अकेला कमाने वाला था।

लोकल ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।उसके बाद भी रेल प्रशासन और मनपा ब्रिज निर्माण को लेकर गंभीर नहीं है।

रसना ने मशहूर ब्रांड जम्पिन का अधिग्रहण कर रेडी-टु-ड्रिंक मार्केट में रखा कदम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दुनिया की सबसे बड़ी इंस्टैंट बेवरेज कंपनी रसना प्राइवेट लिमिटेड ने भारत के तेजी से बढ़ रहे रेडी-टू-ड्रिंक (आरटीडी) बाजार में कदम रखा है। कंपनी ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत मशहूर बेवरेज (पेय) ब्रांड जंपिन को खरीदा है जिसका स्वतंत्र मूल्यांकन 350 करोड़ रुपये है। यह कदम रसना के लिए गैर-काबोर्नेटेड बेवरेज कैटेगरी में अपने उत्पादों का विस्तार करने और अपनी स्थिति को और मजबूत करने की बड़ी योजना का हिस्सा है।

जंपिन को सबसे पहले गोदरेज समूह ने अपने मुख्य उत्पाद के रूप में लॉन्च किया गया था। यह भारत का पहला टेट्रापैक ब्रांड था, जिसे 1980 के दशक से अपने स्वादिष्ट टेट्रा पैक पेय और बाबा सहगल के साथ ही कई दूसरे यादगार विज्ञापनों की वजह से लोगों ने बहुत पसंद किया। बाद में इसे हर्शीज इंडिया ने संभाला, और अब रसना प्राइवेट लिमिटेड के मालिकाना हक में यह ब्रांड एक नए विकास के दौर में

कदम रख रहा है। जंपिन को अब एक स्वस्थ, समृद्ध, गाढ़े और स्वादिष्ट (हेल्दयर, रिचर, थिकर, टेस्टियर) ड्रिंक के रूप में दोबारा लॉन्च किया जा रहा है, जो भारत में अपनी तरह का पहला उत्पाद है। इसे दुकानों, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और रसना के मजबूत ग्रामीण वितरण नेटवर्क के जरिए पूरे भारत में उपलब्ध कराया जाएगा।

इस अधिग्रहण पर बात करते हुए रसना प्राइवेट लिमिटेड के ग्रुप चेयरमैन पिरुज खंबाटा ने कहा, जंपिन का अधिग्रहण हमारे लिए एक अहम कदम है। यह एक मजबूत ब्रांड है और लोगों के बीच इसकी अच्छी पहचान है, जिससे यह हमारे बेवरेज पोर्टफोलियो में एक बेहतरीन जोड़ साबित होगा। यह कदम रेडी-टू-ड्रिंक (आरटीडी) सेगमेंट में हमारे प्रोडक्ट्स के दायरे को बढ़ाने और ब्रांड को और मजबूत बनाने की हमारी दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर:नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 7 वर्ष की कैद

उसके सहयोगी महिला को भी 5 वर्ष की सजा अर्थदंड भी लगा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।अपर सत्र न्यायाधीश पाक्सो रूपाली सक्सेना की अदालत ने 8 वर्ष पूर्व नाबालिग लड़की को भगा ले जाने व दुष्कर्म करने के आरोपी को 7 वर्ष के कारावास व 15000 रुपए अर्थदंड से दंडित किया है।अभियोजन कथानक के अनुसार बदलापुर थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने अभियोग पंजीकृत करवाया कि दिनांक 5 जुलाई 2017 को सुबह 6:30 बजे उसकी नाबालिग लड़की एक डॉक्टर से दवा लेने के लिए बाजार गई थी। 2 घंटे बाद वापस न आने पर उसकी खोज बीन शुरू की गई किंतु उसका कोई अता पता नहीं चला। उसे शंका है कि उसके ही गांव का रहने वाला अफसर अली अपनी बोलोरो गाड़ी से उसे जबरदस्ती भगा ले गया होगा, क्योंकि एक वर्ष पूर्व स्कूल से आते-जाते रास्ते में उसने बेटी के साथ बद्तमीजी किया था।शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी एवं रमेश चंद्र पाल के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने आरोपी अफसर अली को लड़की के अपहरण व दुष्कर्म के मामले मेंदोषसिद्ध पाते हुए 7 वर्ष के कारावास व 15000 रूपए अर्थ दंड से दंडित किया, जबकि अपहरण में सहयोगी शहनाज अली को 5 वर्ष के कारावास व 5000 रूपए अर्थदंड से दंडित किया गया है।

तकनीक का सदुपयोग करें: मनोरमा मौर्या

डिजिटल युग में कदम रखते छात्र-स्मार्टफोन एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज, जौनपुर में उत्तर प्रदेश शासन के डिजिटल इंडिया मिशन के अंतर्गत सोमवार को स्मार्टफोन एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन सौदागर हाल में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने की।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद, जौनपुर की अध्यक्ष मनोरमा मौर्या रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि डॉ. रामसूरत मौर्य ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं को तकनीकी संसाधनों से जोड़ने की यह पहल शिक्षा में डिजिटल समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के छात्रों के बीचकी डिजिटल खाई को पाटने में सहायता मिलेगी।मुख्य अतिथि मनोरमा मौर्या ने राज्य सरकार की योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि, ह्लस्मार्टफोन और टैबलेट छात्रों के लिए केवल उपकरण नहीं, बल्कि उनके भविष्य की चाबी हैं। इनका रचनात्मक एवं जिम्मेदार उपयोग कर छात्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकते हैं।विशिष्ट अतिथि डॉ. रामसूरत मौर्य ने कहा कि तकनीक तभी सार्थक है जब उसका उपयोग रचनात्मकता, अध्ययन और आत्मविकास के लिए किया जाए। उन्होंने छात्रों से इन उपकरणों का सदुपयोग करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान 204 छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन एवं टैबलेट का व्यक्तिगत रूप से वितरण किया गया। वितरण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप रही।कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता अहमद अब्बास खान ने कुशलता से किया।इस अवसर पर कॉलेज के वरिष्ठ प्रवक्तागण डॉ. जीवन यादव, डॉ. के.के. सिंह, आर पी सिंह ,डॉ. प्रज्वलित यादव, डॉ. गुलाब यादव, डॉ अभिषेक श्रीवास्तव,प्रवीण यादव,तकरीम फातिमा, तथा स्मार्टफोन एवं टैबलेट कंट्रोलर संदीप सिंह व बृजेंद्र सिंह राव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन के साथ हुआ।

विशाल प्रतिमा के लिए हुआ भूमि पूजन

मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के श्री मनोकामनासिद्ध दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर बहोरीकपुर मुंगरा बादशाहपुर में जन संवाद फाउंडेशन के तत्वाधान में चिरंजीव भगवान श्री परशुराम जी की विशाल प्रतिमा की स्थापना हेतु भूमि पूजन प्रसाद वितरण एवं सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जन संवाद फाउंडेशन के अध्यक्ष पंकज मिश्रा समाजवादी पार्टी नेता ने जानकारी देते हुए बताया कि भगवान श्री परशुराम की विशाल प्रतिमा की स्थापना के लिए सोमवार के दिन मंत्रोच्चारण के बीच विधि विधान से भूमि पूजन हुआ जहां पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विरोधी दल विधानसभा उत्तर प्रदेश एवं पूर्व अध्यक्ष विधानसभा उत्तर प्रदेश माता प्रसाद पाण्डेय ने शिरकत की वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भोजपुरी गायक आर्यन बाबू, विवेक मिश्रा वरदान, निशा उपाध्याय, नंदिनी स्वराज ने जलवा बिखरा जहां हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ हजारों लोगों ने भंडारे में महाप्रसाद ग्रहण किया।

फंदे से लटकता मिला महिला आरक्षी का शव, पुलिस साथी कर्मचारियों व परिजनों से कर रही पूछताछ

जौनपुर के सरपतहा थाना क्षेत्र के अरसिया निवासी थी महिला आरक्षी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अयोध्या में मंडल कारागार के आवासीय परिसर में महिला आरक्षी शांति यादव का शव संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की है। कमरा अंदर से बंद होने के कारण आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है।मूल रूप से जौनपुर के सरपतहा थाना क्षेत्र के अरसिया निवासी शांति यादव का वर्ष 2021 में जेल पुलिस में आरक्षी पद पर चयन हुआ था। उनकी पहली तैनाती मंडल कारागार में थी। वह आरक्षी रेखा के साथ एक ही कमरे में रहती थीं। शुक्रवार को रात्रिकालीन ड्यूटी के बाद वह कमरे पर आई थीं। रेखा ड्यूटी पर चली गई थीं।

कमरे में फंदे से लटकती मिली लाश

दोपहर 12:30 बजे शांति की फिर से ड्यूटी थी, लेकिन निर्धारित समय पर वे नहीं पहुंचीं। काफी देर तक न पहुंचने पर जेल प्रशासन को सूचना दी गई। लगभग 2 बजे सहकर्मी उनके आवास पहुंचे तो अंदर से दरवाजा बंद मिला। कई बार बुलाने पर कोई हलचल नहीं हुई तो पीछे के रास्ते शीशे से सहकर्मियों ने अंदर झांककर देखा तो उनका शव फंदे से लटकता मिला। नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय पुलिस टीम के साथ पहुंचे और छानबीन शुरू की। परिजनों से दूरभाष पर वार्ता करके मामले से अवगत कराया गया तो उन्होंने पहुंचने तक यथास्थिति बनाए रखने की बात कही। देर शाम तक परिजन पहुंचे तो शव नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

कर्मचारियों व परिजनों से पूछताछ जारी

वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने बताया कि स्थानीय स्तर पर जानकारी की गई है। मृतका ने किसी तरह की शिकायत या सूचना किसी को नहीं दी थी। इंस्पेक्टर अश्विनी पांडेय ने बताया कि कमरा अंदर से बंद था, इसलिए प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के सही कारणों की जानकारी हो सकेगी। कर्मचारियों व परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

भगवान श्रीराम पर अभद्र टिप्पणी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भगवान श्रीराम के प्रति सोशल मीडिया में अभद्र टिप्पणी करने वाले युवक को खेतासराय पुलिस ने 24 घण्टे के अंदर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय के अनुसार सेठूआपारा थाना खुटहन जनपद जौनपुर निवासी साकेत पुत्र मोहम्मद मकबूल ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर भगवान श्रीराम के ऊपर अभद्र टिप्पणी की थी।यह मामला सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद हिन्दू संगठनों में आक्रोश व्याप्त हो गया था,पुलिस ने इस मामले को गम्भीरत से लेते हुए आरोपी के खिलाफ आइटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया

बसपा के कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न

-मूहम्मद आरिफ

सिधौना, आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आज विधानसभा लालगंज के अंतर्गत सेक्टर सिधौना की बैठक सिद्धेश्वरी धाम पर हुई। बैठक में संगठन के प्रति समीक्षा की गई तथा आगामी विधानसभा चुनाव 2027 मे बहन कुमारी मायावती जी को मुख्यमंत्री बनाने का बसपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं द्वारा संकल्प लिया गया। उक्त बैठक में मुख्य अतिथि डॉ हरिराम भास्कर, नीरज सिंह उर्फ पिंटू सिंह,रामबचन, सिधौना ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विष्णु मौर्य, अग्रसेन एडवोकेट, राम अवध ,चंद्रशेखर, हरिश्चंद्र मास्टर संजय इत्यादि बसपा के कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

विद्यालय में लगे समर कैंप का समापन

-धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्राथमिक विद्यालय पुरानी बाजार में चार दिवसीय समर कैंप का सोमवार को भव्य तरीके से समापन हुआ। कैंप के दौरान विद्यालय के बच्चों ने स्वागत गीत,डांस प्रोग्राम,खेलकूद,फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता,रस्सी खींच,जलेबी, दौड़ प्रतियोगिता सहित अन्य प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आनंद लिए। समर कैंप का उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाध्यापिका तथा राज्य पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टर विभा शुक्ला के द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि कैंप के दौरान बच्चों के अंदर अद्भुत कला एवं प्रतिभा का एहसास हुआ। अब वह दिन दूर नहीं जब प्राइवेट विद्यालयों को पीछे छोड़कर सरकारी स्कूल के बच्चे हर मामले में अपना परचम लहराएंगे। कैंप से बच्चों के शारीरिक मानसिक एवं बौद्धिक क्षमताओं का विकास हो होता है और वे जागरूक हो जाते है। समापन के दिन समर कैंप में शामिल सभी बच्चों को विद्यालय की तरफ से कांपी कलम देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर प्रियव्रत मिश्रा,श्रीप्रकाश यादव, गार्गी त्रिपाठी, प्रतिभा यादव,रीता देवी,सुनील कुमार अग्रहरि, शिक्षामित्र अरविंद यादव,एजाज अहमद,आंगनवाड़ी से मंजू सिंह,शशिकला पांडे,सीमा मिश्रा रसोईया सहित काफी संख्या में विद्यालय के बच्चें मौजूद रहे।

20 मई को जौनपुर आयेगे भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एव राज्य सभा सांसद अरूण सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने बताया कि 20 मई को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एव राज्यसभा सांसद अरुण सिंह लखनऊ से सड़क द्वारा जौनपुर आएंगे उनका स्वागत लखनऊ जौनपुर बाईपास पर होगा उसके उपरांत वहां से चलकर वह दोपहर 02:00 बजे होटल होटल रिवर व्यू पहुंचेगे जहा पर वह अहिल्याबाई होलकर स्मृति संगोष्ठी मे शामिल होगे। उसके उपरांत वह सायं 05:00 बजे तिरंगा यात्रा मे शामिल होगें उनके नेतृत्व मे ही सद्भावना सेतु से पैदल मार्ग से चलकर शहीद स्तंभ कलेक्ट्रेट तक पहुंचेगी।

शहीद सैनिक की विधवा आवंटित भूमि पर कब्जा के लिए दर-दर की खा रही ठोकरें

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय सेना के शहीद सैनिक महेन्द्र प्रताप यादव की पत्नी रीता यादव पिछले कई वर्षों से अपने नाम आवंटित भूमि पर कब्जा प्राप्त करने के लिए प्रशासनिक दफ्तरों के चक्कर लगा रही हैं। लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिल पाया है।

रीता यादव के पति महेन्द्र प्रताप यादव भारतीय सेना में थे और 08 दिसंबर 1998 को आतंकवादियों से मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए थे। शहीद सैनिक के परिजनों को शासन द्वारा गाटा संख्या 117, ग्राम गोसपुर, तहसील शाहगंज, जनपद जौनपुर में भूमि आवंटित की गई थी, जिस पर वर्तमान में दबंग किस्म के लोग जबरन कब्जा जमाए हुए हैं।रीता यादव ने बताया कि उक्त भूमि पर कब्जा हटाने के लिए उन्होंने पूर्व में जिलाधिकारी जौनपुर को कई बार प्रार्थना पत्र दिया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। दबंगों द्वारा उन्हें धमकियाँ दी जा रही हैं और मारपीट की आशंका के कारण वह मानसिक तनाव में हैं। उन्होंने 19 मई को पुनः जिलाधिकारी जौनपुर को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि उन्हें उनके नाम आवंटित भूमि पर कब्जा दिलाया जाए और दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई विवाद न हो।प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहीद सैनिक की पत्नी के समर्थन में क्षेत्र के सामाजिक संगठनों ने भी प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की है।

अवैध पैथालॉजी और मानकों के विपरीत अस्पतालों की होगी जांच: सीएमओ

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)स्वास्थ के साथ कोई समझौता नही किया जाएगा।शासन के मंशानुरूप ही कार्य को सम्पादित किया जाएगा।स्वास्थ के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दास्त नही किया जाएगा।उक्त बातें सोमवार को नगर के सुल्तानपुर मार्ग स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पहुंची सीएमओ डाक्टर लक्ष्मी सिंह ने प्रेस वार्ता के दौरान कही।एक सवाल के जवाब में श्रीमती सिंह ने कहा की पूरे नगर में अगर कोई अस्पताल मानकों के विपरीत चल रहा है तो अगले सप्ताह सभी अस्पतालों और अवैध पैथालॉजी लैबो की जांच गहनता से की जाएगी।दोषी पाए जाने पर कड़ी विभागीय कार्यवाई की जाएगी।उन्होंने आगे कहा की बिना फायर एनओसी वाले अस्पतालों पर विशेष जांच पड़ताल की जाएगी।कस्तूरबा विद्यालय से होकर सीएमओ डाक्टर लक्ष्मी सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच कर अस्पताल की देख रेख मरीज रजिस्टर, भर्ती कक्ष मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं आदि की जांच जहां पर वह सन्तुष्ट नजर आई।निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी, डाक्टर राकेश कुमार यादव, डाक्टर,आरके वर्मा, डाक्टर अमित, फार्मासिष्ट ग्रीसचंद यादव सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

स्केनोवा डायग्नोस्टिक एण्ड ऑर्थो केयर का आईएएस ने किया शुभारंभ

रेडियोलॉजिस्ट की सेवाएं देने वाली पहली महिला डॉक्टर

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं को एक नई दिशा देने के उद्देश्य से स्केनोवा डायग्नोस्टिक एण्ड ऑर्थो केयर का भव्य उद्घाटन रविवार की शाम शाहगंज कस्बे के आजमगढ़ रोड स्थित नई सब्जी मंडी के पास संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अमेरिका यूनिवर्सिटी से संबद्ध और भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष आईएएस डॉ. नागेन्द्र प्रसाद सिंह और विशिष्ट अतिथि के रुप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आजमगढ़ राजीव पाठक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्री सिंह ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की अत्यंत आवश्यकता है। स्केनोवा डायग्नोस्टिक जैसे संस्थान स्थानीय लोगों को उच्च गुणवत्ता की जांच सेवाएं उपलब्ध कराएंगे और उन्हें इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। यह एक सराहनीय पहल है। स्वास्थ्य और शिक्षा दो ऐसे स्तंभ हैं जिनसे समाज का विकास सुनिश्चित होता है। कहा स्केनोवा के माध्यम से आमजन को विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं सुलभ होंगी जो यह क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।संस्थान के निदेशक डॉ. अबु फैसल (ऑथोपेंडिक विशेषज्ञ) और मास्टर नूर आलम ने जानकारी देते हुए कहा कि स्केनोवा डायग्नोस्टिक में अत्याधुनिक तकनीकों से युक्त जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। संस्थान में 3ऊ और 4ऊ सोनोग्राफी, डिजिटल एक्स-रे, आगामी समय में मल्टीस्लाइस सीटी स्कैन जैसी सेवाएं शुरू की जाएंगी। सेंटर की खास बता यह है कि शाहगंज में पहली बार अनुभवी महिला रेडियोलॉजिस्ट डॉ. नायला अशरहद आजमी अपनी सेवाएं देंगी। डॉ. नायला ने महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की है और वे विभिन्न अस्पतालों में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। इस अवसर पर डॉ. एमएस खान, हाजी नौशाद अहमद, मन्नान अहमद, डॉ. सुभाष सिंह, डा. अदनान हबीब, डा.जैद अहमद, फैज अहमद चुन्नू, डा. मेराज, मो.गुफरान, मो. आतिफ, सैयद नदीम, गुलाम साबिर, नवल किशोर एडवोकेट, डा. फारुक अरशद आदि उपस्थित रहे।

जौनपुर को मिले पुरानी पहचान इस लिए नाम बदलना जरूरी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले का नाम बदलकर महर्षि दधीचि, भगवान परशुराम या महर्षि जमदग्नि के नाम पर रखने की मांग जोर पकड़ रही है। इस संबंध में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शम्सी आजाद उर्फ कौसर मेहंदी ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर मांग रखी।

पौराणिक पहचान को मिले सम्मान : शम्सी

शम्सी आजाद ने पत्र में लिखा है कि जौनपुर का इतिहास अत्यंत गौरवशाली और पौराणिक रहा है। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र महर्षि दधीचि, भगवान परशुराम और महर्षि जमदग्नि की तपोभूमि रहा है। जमैथा गांव में आज भी महर्षि जमदग्नि के आश्रम के अवशेष और परशुराम से जुड़ी मान्यताएं विद्यमान हैं। इसी तरह दधीचि कुंड, जहां लोग आज भी स्नान कर श्रद्धा व्यक्त करते हैं, महर्षि दधीचि के बलिदान की गाथा का प्रतीक है।

यवनपुर से जौनपुर, अब समय है नई पहचान देने का

पत्र में उल्लेख किया गया है कि पहले इस जनपद का नाम 'यवनपुर' था, जिसे तुगलक काल में जौनपुर नाम से बदला गया ऐसा शम्सी ने आरोप लगाया है। भारतीय सांस्कृतिक विरासत और ऋषि परंपरा को सम्मान देते हुए इसका नाम पुनः गौरवशाली संदर्भों के साथ जोड़ा जाए। न्होंने संभावित नामों का सुझाव भी दिया जो इस प्रकार है। पत्र में जौनपुर के नए नाम के लिए जमदग्निपुरम, दधीचि नगर, परशुरामपुरी या रेणुकानगरी जैसे नामों का सुझाव दिया गया है। शम्सी आजाद ने कहा कि इससे ना सिर्फ लोगों की आस्था और ऐतिहासिक पहचान को बल मिलेगा, बल्कि जिले को राष्ट्रीय संस्कृति के नक्शे पर नई पहचान भी मिलेगी।

हुक्का बार और कैफे पर वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस की जबरदस्त छापेमारी

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में डीसीपी वरूणा प्रमोद कुमार की सूचना पर एडीसीपी वरूणा नीतू कादयान और एसीपी सारनाथ विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने छापा मारा और कैफे के अंदर नशे का सेवन कर रहे कई युवक युवती पकड़े गये है, कैफे संचालन से जुड़े लोगों को भी पुलिस नें पकड़ा है।भारी मात्रा में नशीला पदार्थ भी बरामद हुआ है कैफे के अंदर केबिन बनाकर बाकायदा बेड भी लगा था। कुल मिलाकर पूरा अय्याशी का अड्डा चल रहा था। छापेमारी अभी भी जारी है। सदर तहसील के पास एक इमारत के तीसरी मंजिल पर कैफे का संचालन फार्महाउस कैफे के नाम से हो रहा था जिसमें छापे मारी के दौरान मौके से 6 लड़कियां और 4 लड़के पकड़े गए है और उसी दौरान 2 लड़के छत के रास्ते भागने में सफल रहे इसी के साथ कैफे के 2 कर्मचारी भी हिरासत में है। कैफे संचालक डीएलडब्ल्यू निवासी अनुराग कही बाहर गया हुआ था। जिसे पुलिस ने वापस बुलाया है। कैफे में निगरानी के लिये बाहर काफी सारे कैमरे भी लगाये गये थे।

स्कूल में नेत्रहीन छात्रा का मनाया गया जन्मदिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के रूहट्टा स्थित राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ एजुकेशन ,दिव्यांग बच्चों का स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र में नेत्रहीन छात्रा आंशिका का जन्मदिन बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया, सभी दिव्यांग बच्चे कक्षा को गुब्बारों से सजाए फिर उसने केक काटा, सभी दिव्यांग छात्र/छात्राओं ने बड़े जोश और जोर से अंशिका को उसके जन्म दिन की बधाई दिए फिर सभी दिव्यांग बच्चों को केक, टॉफी, मिठाई, समोसा इत्यादि वितरित किया गया। सभी दिव्यांग बच्चे खाद्य सामग्री पाकर बहुत खुश हुए। दिव्यांग छात्रा आंशिका का जन्मदिन स्कूल में मनाया गया इससे छात्रा बहुत खुश हुई। संस्था की सचिव किरन की तरफ से केक और उपहार स्वरूप कपड़े दिये गये ।कार्यक्रम का पूरा प्रबंध विशेष शिक्षिका हेमू वर्मा ने किया। इस अवसर पर संस्था के कोषाध्यक्ष अजय श्रीवास्त पत्रकार विश्व प्रकाश श्रीवास्तव,राजेश गुप्ता ,प्रवेश गुप्ता , प्रियांशी नैंसी ,मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी के प्रणेता प्रदीप मिश्रा ,छात्रा के माता पिता व सिद्दिका इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व अपर पुलिस कमिश्नर ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के यू.एन.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जौनपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के तीन छात्र नितेश कुमार, दीपक यादव और प्रमन चौरेसिया–को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क, लखनऊ केंद्र में इंटर्नशिप के लिए चयनित किया गया है। यह इंटर्नशिप उनके बी.टेक पाठ्यक्रम के प्रोजेक्ट कार्य का हिस्सा है।छात्रों का यह चयन विभाग के शिक्षक डॉ. अजय कुमार मौर्य के मार्गदर्शन में हुआ, जिन्होंने तकनीकी तैयारी, दस्तावेज प्रक्रिया और परामर्श में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विभागाध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश के अकादमिक नेतृत्व ने भी इस उपलब्धि को संभव बनाया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ह्लइसरो जैसी प्रतिष्ठित संस्था में चयन होना छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है।इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग ने समयबद्ध रूप से छात्रों के समस्त दस्तावेज, बायोडाटा एवं प्रोजेक्ट स्वीकृति पत्र इसरो को प्रेषित किए।इस उपलब्धि पर विभाग के शिक्षकों–डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. पी.सी. यादव, सुश्री पूनम सोनकर और डॉ. पारुल त्रिवेदी–ने छात्रों को बधाई दी और इसे विश्वविद्यालय की एक बड़ी उपलब्धि बताया।यह इंटर्नशिप न केवल छात्रों के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है, बल्कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा को भी सुदृढ़ करती है।

जौनपुर का नाम यमदग्निपुरम किया जाए : शम्सी आजाद

भाजपा नेता सीएम योगी को पत्र भेजकर की मांग

जौनपुर। नगर के बाजारभुवा मीरघर निवासी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शम्सी आजाद ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर जौनपुर जिले का नाम बदलकर महर्षि दधीचि, भगवान परशुराम एवं महर्षि यमदग्नि अथवा भगवान परशुराम की माता रेणुका के नाम पर रखे जाने की मांग की है। शम्सी आजाद ने अपने पत्र में लिखा कि जौनपुर जिले का इतिहास बहुत पुराना और गौरवशाली है, इसका पौराणिक महत्व भी है। जौनपुर जिले का नाम पहले यवनपुर था, जिसके बाद में फिरोजशाह तुगलक के चचेरे भाई उर्फ जौना खान के नाम पर जौनपुर रखा गया जबकि जौनपुर का संबंध महर्षि दधीचि से भी है। इनके द्वारा दान की गई अस्थियां इस शहर के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, यहां दधीचि कुंड आज भी स्थित है जहां लोग महर्षि दधीचि के सम्मान में स्नान करते हैं। यही नहीं जौनपुर के जमैथा गांव को भगवान परशुराम की कर्मभूमि और तपोभूमि माना जाता है। यहां महर्षि यमदग्नि का आश्रम था जो भगवान परशुराम के पिता है। इसको प्राचीनकाल में यमदग्निपुरम कहा जाता था। ऐसे में इसका नाम यमदग्निपुरम किया जाए।

یسریٰ حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

शिवसेना सचिव राम रेपाले का सम्मान

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्य मंत्री एकनाथ शिंदे अध्यक्ष शिवसेना (शिंदेगट) द्वारा शिवसेना महाराष्ट्र के सचिव के रूप में वरिष्ठ नेता राम रेपाले को नियुक्त किये जाने पर समाज सेवक डॉ.सचिन सिंह (अध्यक्ष-युवा ब्रिगेड एसोसिएशन), अजय आर.सिंह (अध्यक्ष-निरंकार रहिवासी सेवा संघ), एवम शिक्षाविद राकेश मिश्र द्वारा उनके कार्यालय पर शाल श्रीफल एवम पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया।

पुरानी रंजिश में भाजपा नेता के पिता की पीट-पीटकर हत्या

शाहजहांपुर (उत्तरशक्ति)। शाहजहांपुर के खुदागंज थाना क्षेत्र के रामपुर नवदिया गांव में रविवार की रात भाजपा के बूथ अध्यक्ष महेश मौर्य के पिता ओमप्रकाश मौर्य (60 वर्ष) की पिता-पुत्रों ने पुरानी रंजिश में लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी परिवार के अन्य सदस्यों को जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश कर रही है। रात करीब नौ बजे ओम प्रकाश अपने घर के बाहर बैठे किसी से बात कर रहे थे। इसी दौरान गांव का किशनलाल अपने चार बेटों के साथ लाठी-डंडे लेकर वहा पहुंचा और गालियां देते हुए ओम प्रकाश पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों के ताबड़तोड़ प्रहार से ओमप्रकाश का सिर फट गया और वह लहूलुहान होकर गिर गए। इसके बाद भी आरोपी उन्हें निर्ममता से पीटते रहे। परिजन उन्हें लेकर कटरा सीएचसी पहुंचे लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में बेटे विशाल ने थाने में तहरीर देकर गांव के किशन लाल और उनके पुत्रों अतुल, अमर पाल, आनंद और हेमराज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। ओमप्रकाश होलिका दहन के व्यवस्थापक थे। उनके परिवार से आरोपियों का गांव में होलिका दहन की जगह को लेकर विवाद चल रहा था। उनके छोटे बेटे विशाल ने पुलिस को बताया कि इसी विवाद में होली के बाद रंगपंचमी वाले दिन आरोपियों ने उनके बड़े भाई भाजपा नेता महेश से मारपीट की थी।

महेश के अनुसार थाने में तहरीर देने पर पुलिस ने उन पर दबाव बनाकर राजीनामा करवा दिया था। इसके बावजूद आरोपियों ने देख लेने की धमकी दी थी। उसी का बदला आरोपियों ने पिता की हत्या करके लिया है। उनका कहना है कि यदि पुलिस ने उसी समय कोई कार्रवाई की होती तो यह घटना नहीं होती।

सोमवार की शाम पोस्टमॉर्टम के बाद शव पहुंचने पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। परिजनों ने पुलिस से कहा कि पहले आरोपियों को गिरफ्तार करो, फिर शव का अंतिम संस्कार करेंगे। देर शाम तक पुलिस परिजनों को मनाने की कोशिश करती रही। ओमप्रकाश के बेटे विशाल ने रविवार रात थाने में तहरीर दी थी। उसने बताया था कि रंजिशन गांव के किशनलाल, अमरपाल, अतुल, हेमराज व आनंद ने पिता को लाठी-डंडों से पीटा दिया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। चर्चा है कि दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की है। पुलिस मारपीट की रिपोर्ट को हत्या में दर्ज करेगी।

बस की चपेट में आने से युवक की मौत

एटा (उत्तरशक्ति)। एटा के थाना बागवाला क्षेत्र में गांव कंसुरी के पास बस की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक जैथरा में किसी रिश्तेदार को छोड़कर घर लौट रहा था, तभी रास्ते में दुर्घटना का शिकार हो गया। 18 दिन पूर्व ही उसकी शादी हुई थी। गांव खड़ौआ निवासी दिनेश चंद्र ने बताया कि रविवार की शाम बेटा कुलदीप (31) बाइक से जैथरा में किसी रिश्तेदार के बीमार बालक को छोड़ने गया था। वहां से देर शाम घर लौट रहा था। जैसे ही गांव से कुछ दूरी पर अलीगंज रोड स्थित कंसुरी गांव के पास पहुंचा, बस की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस और परिजन के सूचित करते हुए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागवाला पहुंचाया। परिजन स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे तो चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। यहां चिकित्सक ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया।

परिजन में चीख-पुकार मच गई। दिनेश ने बताया कि मात्र 18 दिन पूर्व ही बेटे की शादी हुई थी। घटना के बाद घर में मातम पसर गया है और पुत्रवधू व अन्य लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौत

अमेठी (उत्तरशक्ति)। यूपी के अमेठी में रामगंज के खरगीपुर निवासी अभिषेक मिश्रा (38) व उनके चचरे भाई प्रिंस मिश्रा (30) की शनिवार की रात सोनीपत में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। रविवार रात दोनों के शव गांव पहुंचे तो कोहराम मच गया। सोमवार को प्रयागराज में दोनों का अंतिम संस्कार हुआ। जितेंद्र मिश्रा ने बताया कि अभिषेक व प्रिंस उनके चचेरे भाई थे। हरियाणा के कुंडली ट्रांसपोर्ट कंपनी में वह ट्रक चालक थे। अलग-अलग ट्रक पर कुंडली ट्रांसपोर्ट से माल लोड करके गुरुग्राम के धारूहेड़ा जा रहे थे। रास्ते में सोनीपत के खरखौंदा से गुजरे केएमपी एक्सप्रेसवे पर कुंडली टोल प्लाजा के पास ट्रक खड़ा करके टायर चेक कर रहे थे। इसी समय पीछे से आए तेज रफ्तार बेकाबू अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाइयों की मौत हो गई। शनिवार रात फोन से हादसे की सूचना मिली। रविवार को शव गांव पहुंचे। बताया कि एक माह पहले दोनों घर आए थे। जुलाई में धान की रोपाई करवाने के लिए फिर घर आने वाले थे। लेकिन, उससे पहले ही मौत हो गई। खबर मिली तो परिजन खरखौंदा पहुंचे और रविवार की रात शव लेकर गांव पहुंचे। सोमवार को उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज स्थित दशाश्वमेध घाट पर किया गया।

जितेंद्र ने आगे बताया कि शनिवार की रात लगभग 1:15 बजे टोल प्लाजा के पास जब उन्होंने गाड़ी खड़ी की थी तो अभिषेक ने पत्नी के पास फोन किया था। फोन पर घरवालों, बच्चे और गांव सहित खेती बाड़ी का हाल-चाल ले रहे थे। उसी बीच अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। पांच मिनट बाद मौके पर पहुंची पेट्रोलिंग पार्टी ने डायल 112 को सूचना दी।

17 ग्राम पंचायतों में कोटे की रिक्त दुकानों के लिए विशेष अभियान

आजमगढ़। डीएम रविंद्र कुमार ने रविवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जनपद में रिक्त चल रही 17 उचित दर दुकानों के लिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि हरैया, बिलरियागंज, अतरौलिया, अहिरौला, तहबतपुर, रानी की सराय, जहानागंज, पल्हना, तरवां, लालगंज, ठेकमा, माटीनगंज और मुहम्मदपुर की ग्राम पंचायतों में ये दुकानें रिक्त हैं। जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम को निर्देश दिया कि एक सप्ताह में संबंधित बीडीओ से रिक्तियों के लिए प्रस्ताव तैयार कराएं। प्रस्ताव मिलने पर अगले एक सप्ताह में दुकानों की नियुक्ति पूरी की जाए। सभी बीडीओ को एक सप्ताह में ग्राम सभा की खुली बैठक में प्रस्ताव पारित कराने, 72 घंटे पहले नोटिस चस्पा करने, डुगडुगी-मुनादी कराने और बैठक की वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जगजीवन पट्टी में धर्मराज तिवारी की श्रीमद् भागवत कथा का आनंद उठा रहे ग्रामवासी

जौनपुर। बदलापुर तहसील के घनश्यामपुर क्षेत्र के जगजीवन पट्टी गांव में शनिवार को श्री मदभागवत कथा सप्ताह का भव्य शुभारंभ हुआ। इस मौके पर कथा स्थल से गांव के डीह सेमरेदैत बाबा के पावन स्थल तक कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में कन्याओं, सुहासिनियों और ग्रामवासियों ने हिस्सा लिया।

शनिवार 17 मई से शुरू हुई भगवत के व्यास पंडित धर्मराज तिवारी हैं। उनके मुख से निकली कथा ग्रामवासियों को बहुत पसंद आ रही है। शनिवार, 17 मई से शुरू हुई कथा प्रतिदिन 4 बजे से 7 बजे तक चल रही है। गया जगन्नाथ जी के भात का आयोजन पंडित दूधनाथ तिवारी एवं समस्त तिवारी परिवार ने किया है। कथा के दूसरे दिन उपस्थित रहने वाले लोगों में कमला

प्रसाद तिवारी (बड़े बाबू), पूर्व प्रधान राम जियावन तिवारी, समाजसेवी रामजी उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, समाजसेवी ओमप्रकाश मिश्रा, दूधनाथ तिवारी, राजदेव तिवारी, दीनानाथ तिवारी, दैनिक यशोभूमि के संपादक श्रीनारायण तिवारी, विनय तिवारी, पंडित सूर्यप्रकाश तिवारी (पप्पू), पंडित रोहित मिश्रा, छत्रपाल तिवारी, परमानंद तिवारी, ग्राम प्रधान घनश्याम तिवारी, रोहित तिवारी, महेश तिवारी, ईशनारायण दूबे, प्रेम नारायण दूबे, सुरेश तिवारी, संतोष तिवारी, मनोज तिवारी, संदीप तिवारी, प्रदीप तिवारी, सुशील तिवारी, अंकित तिवारी, साहिल तिवारी शान तिवारी, अशोक सिंह, राजाराम दूबे, संतोष तिवारी (पिंटू), राजेश तिवारी, खेलाडी गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, दीपक तिवारी, रविंद्र तिवारी,हृदयनारायण तिवारी, शुभम तिवारी, अतुल दूबे, आलोक तिवारी, भकोला तिवारी, श्यामधर तिवारी, दिनेश तिवारी, विजय तिवारी, नितिन तिवारी, अभिषेक तिवारी,श्यामसुंदर तिवारी आदि का समावेश रहा। कथा के पहले दिन महिलाओं द्वारा निकाली गई कलश यात्रा हनुमान मंदिर से चलकर श्री रामेश्वर महादेव मंदिर छोटी काशी, हनुमान मंदिर, डीह बाबा और चानिका माता का दर्शन करते हुए नर्मदेश्वर महादेव मंदिर से होते हुए पैतृक निवास तक पहुंची। आए हुए सभी ग्रामवासियों का आभार पंडित दूधनाथ तिवारी एवं समस्त परिवार के सदस्यों ने किया।

भारतीय सेना के सम्मान में दहिसर में आयोजित की गई तिरंगा यात्रा

– पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी की विशेष उपस्थिति में भव्य आयोजन

दहिसर, मुंबई।'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद जांबाज भारतीय सेना के सम्मान में दहिसर विधानसभा की विधायक मनिषाताई चौधरी द्वारा भव्य रतिरंगा यात्राह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में एन एल कॉम्प्लेक्स, दहिसर-पूर्व में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी भी सम्मिलित हुए । उन्होंने इस अवसर पर सेना के अधिकारियों को सम्मानित किया। इस तिरंगा यात्रा में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ विधायक मनिषा ताई चौधरी, उत्तर मुम्बई के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष दीपक उर्फ बाला तावड़े, पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश खणकर , मधुसूदन सुर्वे (शौर्यचक्र विजेता), मंगेश नाईक (राष्ट्रपती पुलिस पदक विजेता), गोरक्ष घुगे, दिनेश मिश्रा (भारतीय सेना श्रीनगर) तथा भाजपा के सभी मंडल और वॉर्ड अध्यक्ष, पदाधिकारी व कार्यकताओं सहित असंख्य दहिसर-बोरिवलीकर नागरिक उपस्थित रहे।

वाराणसी के युवाओं को निशुल्क कौशल प्रशिक्षण का अवसर

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की कौशल सुधार प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में जनपद वाराणसी के लिए सामान्य वर्ग के कुल 125 अभ्यर्थियों को निशुल्क प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें दर्जीगिरी हेतु 75 (25+25+25) और ब्यूटी पार्लर हेतु 50 (25+25) अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। प्रशिक्षण का संचालन मंडलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केंद्र, आहोपट्टी, आजमगढ़ के माध्यम से किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट upkvib.gov.in पर दिनांक 30 मई 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत केवल एक परिवार से एक सदस्य को चयनित किया जाएगा। दिव्यांगजन, बीपीएल परिवारों के सदस्य एवं महिलाएं चयन में प्राथमिकता की पात्र होंगी। चयन प्रक्रिया स्कोर कार्ड के माध्यम से की जाएगी जिसमें अभ्यर्थियों को आयु, शैक्षिक एवं तकनीकी योग्यता, पारिवारिक आय, राशन कार्ड, स्वयं का मकान/भूमि, संबंधित ट्रेड का अनुभव, बैंक खाता संचालन तथा व्यवसायिक योजना जैसे मापदंडों पर अंक प्रदान किए जाएंगे। स्कोर कार्ड की अधिकतम सीमा 100 अंक निर्धारित की गई है।

वाराणसी जिलाधिकारी ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया

सुरेश गांधी

वाराणसी। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार और अपर पुलिस आयुक्त डॉ. एस. चिनप्पा ने सोमवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की सुरक्षा, स्वास्थ्य, भोजन और निगरानी व्यवस्था का गहनता से अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश जारी किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने बैरकों में जाकर बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। कुछ बंदियों ने अपनी व्यक्तिगत परेशानियों को साझा किया, जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल समाधान हेतु जेल प्रशासन को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जेल मैनुअल के अनुसार ही सभी व्यवस्थाएं संचालित हों, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसके बाद अधिकारियों ने जेल अस्पताल का निरीक्षण किया और मौजूद चिकित्साकर्मियों से दवाओं की उपलब्धता एवं उपचार व्यवस्थाओं की जानकारी ली। किचन में जाकर बंदियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया। महिला और किशोर बैरक में भी जाकर बंदियों से संवाद किया गया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई न हो। जिलाधिकारी ने हवालात कार्यालय पहुंचकर अभिलेखों की जांच की और कंट्रोल रूम में जाकर सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया।

उन्होंने जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि बंदियों की समस्याएं संवेदनशीलता के साथ सुनी जाएं और विधिक सहायता के जरिए उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान एडीएम सिटी आलोक कुमार वर्मा, जेल अधीक्षक सौरभ श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जेल प्रशासन में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रगतिशील कुमावत समिति के चुनाव सम्पन्न, प्रजापति बने अध्यक्ष

चिराना। तीर्थराज लोहार्गल धाम के मुख्य मार्ग स्थित ज्ञान बावड़ी के पास श्री गणेश मंदिर में संचालित प्रगतिशील कुमावत समिति की रविवार को चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न हुई। जिसमें चुनाव प्रक्रिया शिव भगवान सारडीवाल,डॉ प्रताप राम कुमावत व सूवालाल कुमावत के निर्वाचन अधिकारी के रुप में समिति के अध्यक्ष पद पर जयपुर के प्रकाश चंद प्रजापति को व गौशाला समिति के अध्यक्ष पद पर अध्यापक बिरजू राम कुमावत को सर्व सम्मति से चुना गया।वहीं सचिव पद हेतु अमोलक पारमुवाल व कोषाध्यक्ष पद पर अध्यापक राजेन्द्र प्रसाद घोडेला को निर्विरोध चुना गया। चुनाव के बाद निर्वाचन अधिकारीयों द्वारा सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को अपने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए अपने कर्त्तव्य एवं निष्ठा के साथ पूरा करने की मंशा जताई गई। सभी समिति के सदस्य एवं समाज के सदस्यों द्वारा नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी व उनको साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस दौरान पुर्व अध्यक्ष रामनिवास कुमावत,डॉ राजेंद्र कुमावत, अध्यापक संतोष कुमावत, एडवोकेट प्रहलाद बिंवाल,जोगेंद्र दुहारिया, धूडाराम कुमावत, सोनाराम कुमावत, फूलचंद लुहानीवाल, लालचंद पिपराली, बद्रीप्रसाद, बाबूलाल उज्जीवाल, दिनेश कुमार, नवीन सिरसवा, महेश बारवा, बिहारीलाल, सीताराम सेवली, रामप्रताप निमिवाल,रविन्द्र घोडेला,मूलचंद बिंवाल, दिनेश कुलचानिया, मूलचंद कारगुवाल, रामोतार पारमुवाल व मदन लाल, मातादीन कुमावत व शेखर सहित समाज के कई गणमान्य मौजूद रहे।

डेंगू दिवस पर स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में जनजागृति अभियान का आयोजन

मुंबई। डेंगू दिवस के अवसर पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के जी-दक्षिण विभाग के अंतर्गत एक व्यापक जनजागृति अभियान आयोजित किया गया। यह अभियान स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विरेन्द्र मोहिते के मार्गदर्शन में शुरू किया गया और यह मई माह के विगत सप्ताह से लगातार जारी है। अभियान के अंतर्गत जीजामाता नगर, करी रोड, प्रभादेवी, आरसीएच-2, कोलीवाडा, सासमीरा, एनएम जोशी मार्ग, एमएच कंपाउंड और एनयूएचएम स्वास्थ्य केंद्रों के सहायक चिकित्सा अधिकारियों, कीटनाशक विभाग और सवेर्लेंस विभाग के समन्वयकों और कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस जनजागृति अभियान का उद्देश्य नागरिकों को डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया जैसी जानलेवा बीमारियों से बचाव हेतु स्वच्छता के महत्व के

प्रति जागरूक करना था। विभिन्न क्षेत्रों में जाकर रहिवासियों को जानकारी दी गई और उन्हें स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान में समाज विकास अधिकारी श्री राजेश सुरवाड़े सहित डॉ. प्रज्योत चौहान, डॉ. मधुरा दलवी, डॉ. प्रिया मुंजेवार, डॉ. राजेश देवेंद्र, डॉ. ओमकार चोंचें, डॉ. अमन मर्चेंट, डॉ. सीमा नेवरेकर, डॉ. तेजश्री एवं सवेर्लेंस विभाग के सुनील मोरे, चैतन्य रावल, रघुनाथ दुधम, विनय कुमार शर्मा, सुनील कर्पे, उन्मेष कामतेकर, शैलेश रहाटे, प्रदीप राठौड़, अमीत शिंदे, संतोष इंदुलकर, संतोष खांबे, भारती पेडणेकर, श्रेया जांभले आदि ने विभिन्न स्थलों पर उपस्थित होकर अभियान को सफल बनाया। इस सफल आयोजन ने नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाई और डेंगू जैसी बीमारियों से बचाव के लिए सामूहिक प्रयास की मिसाल पेश की।

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर पालघर और नालासोपारा में तिरंगा यात्रा का आयोजन

पालघर /नालासोपारा। भारतीय सेना द्वारा हाल ही में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के विरुद्ध चलाए गए सफल ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश को गौरव से भर दिया है। इस अद्वितीय सैन्य कार्रवाई की सफलता के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी द्वारा पालघर के हुतात्मा चौक तथा नालासोपारा पूर्व, गालानगर ओसवाल नगरी में विशाल तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया।

पालघर की तिरंगा यात्राः

इस आयोजन में भाजपा जिला कार्यालय से हुतात्मा चौक तक तिरंगे के साथ हजारों देशभक्तों ने मार्च किया। यह यात्रा केवल एक रैली नहीं, बल्कि एक देशभक्ति का जनांदोलन थी, जिसमें हर कदम पर राष्ट्र के प्रति सम्मान, सेना के प्रति कृतज्ञता और भारत को सशक्त बनाने का संकल्प स्पष्ट रूप से झलक रहा था।

इस यात्रा में डॉ. हेमंत सावरा, पालकमंत्री एवं वनमंत्री गणेश

नाईक, विधायक हरिश्चंद्र भोये, भाजपा जिला अध्यक्ष भरत राजपुत, एवं अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

नालासोपारा की तिरंगा यात्राः

22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगांव में आतंकवादियों द्वारा किए गए कायराना हमले के बाद भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' की गौरवगाथा को सम्मानित करने के उद्देश्य से नालासोपारा के पूर्वी भाग में एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हजारों की संख्या में लोग इसमें शामिल हुए और वीर सैनिकों के सम्मान में एकजुट हुए। इस अवसर पर भारतीय सेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं भूतपूर्व सैनिकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, विधायक राजन नाइक, एवं नालासोपारा विधानसभा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।इन यात्राओं ने यह संदेश दिया कि पूरा भारत देश की सशस्त्र सेनाओं के साथ खड़ा है, और हर नागरिक उनके साहस, बलिदान एवं समर्पण का सम्मान करता है।

संगीतकार अखिलेश कुमार का मुलुंड में सम्मान

मुंबई। संगीतकार, गायक, म्युजिक कंपोजर अखिलेश कुमार का युवा ब्रिगेड एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.सचिन सिंह के मार्गदर्शन में केशव पाडा, मुलुंड प.पर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवक डॉ. बाबूलाल सिंह, शिक्षाविद डा.आर.एम.पाल, योगेन्द्र श्रीवास्तव (फिल्म निमार्ता) द्वारा शाल एवम पुष्पगुच्छ देकर अखिलेश कुमार का सम्मान किया गया। अखिलेश कुमार के 916 गाने टी सिरीज द्वारा रिलीज किये गये। भोजपुरी फिल्म बिहुला,गंगा किनारे प्यार पुकारे,बलम बम्बईया,एतना सतईब त हम मर जाईब में संगीतकार के रूप में गीत व संगीत दिया है। योगेन्द्र श्रीवास्तव के यु ट्युब चैनल नमो भक्ति सागर पर अखिलेश कुमार के 12 गाने रिलीज हुये। उनके द्वारा गाये गये

गीत (भजन) हमैं तो हवा हूं,किस तरह पहरे लगाओगे। महसूस ही करोगे,पर छू न पाओगेह।। यु ट्यूब पर जल्द ही रिलीज हो रहा है। वे 20 वर्षों से संगीतकार और गायक के रूप में फिल्म जगत में अपनी सेवायें दे रहे है। अखिलेश कुमार मूलतः ग्राम शफीपुर बिरहा, जिला लखीसराय, बिहार के रहने वाले हैं।